भारत और जिम्बाब्वे के बीच 5 टी20 मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला रविवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेला गया। भारतीय टीम ने इस मुकाबले को 42 रन से अपने नाम कर सीरीज पर 4-1 से कब्जा जमाया।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 72 दिनांक:15-07-2024 सोमवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

शुक्रवार (12 जुलाई) को एक आदिवासी युवक की मौत के बाद त्रिपुरा में हिंसा भड़क गई है। राज्य के धलाई जिले के गंदा ट्विसा उपखंड में हिंसा भड़कने के बाद कई घरों और दुकानों में लूटपाट के बाद आग लगा दी गई है।

46 साल बाद.....खुला जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार

मेडिकल और सांप पकड़ने वाली टीम मौजूद

भुवनेश्वर (ईएमएस)। ओडिशा की नई भाजपा सरकार के आदेश पर जगन्नाथ मंदिर के खजाने यानी रत्न भंडार को 46 साल बाद रविवार को फिर खोला गया। ओडिशा सीएमओ की ओर से कहा गया है कि पुरी में 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर का प्रतिष्ठित खजाना रत्न भंडार 46 साल बाद खोल दिया गया है।

खजाने में मौजूद जेवरात और अन्य कीमती सामानों की सूची तैयार होगी। कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने कहा कि दुनियाभर में रह रहे भगवान जगन्नाथ के करोड़ों भक्तों को काफी समय से इस दिन का इंतजार था। कानून मंत्री ने बताया कि आभूषणों की क्वालिटी की जांच होगी और कीमती सामानों का वजन किया जाएगा।

इस दौरान मेडिकल टीम और सांप पकड़ने वाले मौजूद रहने वाले है। इस खजाने के कीमती सामानों की सूची की निगरानी के लिए राज्य सरकार ने समिति बनाई है। इस समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति बिश्वनाथ रथ ने कहा कि जगन्नाथ मंदिर का रत्न भंडार खोला गया। ओडिशा हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश ने कहा कि जिस स्थान पर कीमती सामान अस्थायी रूप से रखा जाएगा, वह भी तय है।

मंदिर परिसर में मेटल डिटेक्टर के साथ पुलिस की गाड़ियां और सांप पकड़ने वाली टीम मौजूद रही। मंदिर के रत्न भंडार के खजाने के लिए बड़े ट्रंक बॉक्स लाए गए। इस मौके पर एसपी पिनाक मिश्रा पुलिस बल के साथ मौजूद रहे। पुजारी माधव पूजा पंडा सामंत भी रहे। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधीक्षक डीबी गडनायक ने कहा कि इंजीनियर मरम्मत कार्य के लिए रत्न भंडार का निरीक्षण करने वाले है। ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल (ओडीआरएएफ) के कर्मियों ने रत्न भंडार के अंदर लाइटें लगाईं। आशंका है कि खजाने के अंदर सांप हैं। स्नेक हेल्पलाइन के सदस्य शुभेंदु मलिक ने कहा कि हम राज्य सरकार के निर्देश पर आए हैं।

कानून मंत्री हरिचंदन ने कहा कि राज्य सरकार ने मंदिर प्रबंध समिति के सामने एसओपी की चर्चा की थी। अब दिशा-निर्देश के आधार पर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) के मुख्य प्रशासक को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई। खजाने के आभूषणों की डिजिटल फोटोग्राफी होगी। मंत्री ने कहा कि जेवरात की सूची को लेकर पारदर्शिता रखने के लिए आरबीआई की मदद ले रहे हैं। आरबीआई के प्रतिनिधि सूची बनाने के दौरान मौजूद रहने वाले है।

रत्न भंडार के लिए एसजेटीए मुख्य प्रशासक के नेतृत्व में एक विशेषज्ञ टीम बनाई गई है। इसमें एएसआई, सेवकों, प्रबंध समिति और हाई पावर कमेटी के प्रतिनिधियों को विशेषज्ञ पैनल के सदस्यों के रूप में शामिल किया गया है। पिछली बार गणना प्रक्रिया को पूरा करने में 70 दिन से अधिक का समय लगा था। हरिचंदन ने कहा कि पिछली बीजद सरकार ने अपने 24 साल के शासन के दौरान रत्न भंडार नहीं खोला था। भाजपा सरकार ने सत्ता में आने के एक महीने के भीतर रत्न भंडार खोला है।

लोकसभा में कांग्रेस के डिप्टी लीडर होंगे गौरव गोगोई

- केरल से सांसद के सुरेश बनाए गए मुख्य सचेतक

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस लीडर गौरव गोगोई को लोकसभा में पार्टी का डिप्टी लीडर बनाने का फैसला किया गया है। इस फैसले के बारे में एक पत्र अध्यक्ष ओम बिरला को भेज दिया गया है। एआईसीसी के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष बिरला को पत्र लिखकर लोकसभा में कांग्रेस पार्टी के लिए डिप्टी लीडर, मुख्य सचेतक और दो सचेतकों की नियुक्ति के बारे में जानकारी दी है।

उन्होंने बताया कि गौरव गोगोई निचले सदन में पार्टी के डिप्टी लीडर होंगे। वहीं, केरल से आठ बार के सांसद कोडिकुन्निल सुरेश पार्टी के मुख्य सचेतक होंगे। उन्होंने बताया कि विरुधुनगर के सांसद मणिकम टैगोर और किशनगंज के सांसद मोहम्मद जावेद लोकसभा में पार्टी के सचेतक होंगे। इससे पहले पार्टी ने राहुल गांधी को विपक्ष का नेता बनाया था, जिन्हें बाद में इस पद पर नियुक्त किया गया।केसी वेणुगोपाल ने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी के मार्गदर्शन में कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक की पार्टियां लोकसभा में जनता के मुद्दों को पूरी ऊर्जा के साथ उठाएंगी।

बाइडन ने रिजॉल्व तिब्बत एक्ट पर हस्ताक्षर किए, चीन का नाराज होना तय

- चीन पहले ही रिजॉल्व तिब्बत एक्ट को अस्थिरता पैदा करने वाला कानून बता चुका है

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका ने तिब्बत पर बड़ा कदम उठाया है ?जिससे चीन का नाराज होना तय माना जा रहा है। राष्ट्रपति जो बाइडन ने रिजॉल्व तिब्बत एक्ट पर हस्ताक्षर कर दिया है, जिसके बाद यह विधेयक अब कानून बन गया है। इस तरह अमेरिका ने तिब्बती लोगों के प्रति अपना समर्थन बढ़ाया है। अमेरिका ने चीन और तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा के बीच संवाद बढ़ाने पर जोर दिया है, ताकि अनसुलझे विवाद को सुलझाया जा सके। बता दें कि चीन ने पहले ही रिजॉल्व तिब्बत एक्ट का विरोध करते हुए इसे अस्थिरता पैदा करने वाला कानून बता चुका है। चीन तिब्बत को अपना हिस्सा मानता है। दूसरी तरफ, तिब्बती लोग चीनी कब्जे का लगातार विरोध करते रहे हैं। दरअसल, राष्ट्रपति जो बाइडन ने तिब्बत के लिए अमेरिकी समर्थन बढ़ाने और इसके दर्जे एवं शासन से संबंधित विवाद को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने के लिए बातचीत को बढ़ावा देने की वकालत की है। अमेरिका के इस स्टैंड का चीन शुरू से ही विरोध करता रहा है। अमेरिका चीन और तिब्बती धर्मगुरु एवं नेता दलाई लामा के बीच संवाद को बढ़ावा देने संबंधी एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके बाद यह एक कानून बन गया है।

इसे रिजॉल्व तिब्बत एक्ट का नाम दिया गया है। चीन रिजॉल्व तिब्बत एक्ट का विरोध करते हुए इसे अस्थिरता पैदा करने वाला कानून बताया था। पिछले साल फरवरी में हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव ने जबकि इस साल मई में सीनेट ने इस विधेयक को पास कर दिया था। राष्ट्रपति बाइडन ने हाल ही में जारी ?किए गए एक बयान में कहा ?कि आज, मैंने एस 138, 'तिब्बत-चीन विवाद समाधान को बढ़ावा देने वाला अधिनियम' पर हस्ताक्षर किए हैं। मैं तिब्बतियों के मानवाधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी भाषाई, सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को सुरक्षित करने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए संसद के दोनों सदनों की प्रतिबद्धता को शेयर करता हूं। मेरी सरकार चीन से दलाई लामा या उनके प्रतिनिधियों के साथ बिना किसी पूर्व शर्त के सीधी बातचीत फिर से शुरू करने का आह्वान करता रहेगा, ताकि मतभेदों को दूर किया जा सके और तिब्बत पर बातचीत के जरिए समझौता किया जा सके।

गंगा-यमुना नदी का बढ़ रहा जलस्तर, प्रयागराज में सता रहा बाढ़ का डर

-करीब 105 गांव को किया अलर्ट, राहत व बचाव टीमों को किया सतर्क

प्रयागराज,(ईएमएस)। यूपी के प्रयागराज में बारिश नहीं हो रही है लेकिन बाढ़ के खतरे का संकेत मिल रहा है। गंगा खतरे के निशान से सात मीटर और यमुना नदी नौ मीटर नीचे है, लेकिन जिस गति से गंगा-यमुना का जल स्तर बढ़ रहा है उससे लग रहा है कि जुलाई के अंत तक जलस्तर के खतरे के निशान के करीब पहुंच जाएगा। हालांकि जलस्तर जैसे-जैसे बढ़ेगा उसका फैलाव होगा और गति मंद पड़ेगी।

प्रयागराज में बड़ी संख्या में तटीय इलाके में ज्यादातर छात्र रहते हैं। पानी बढ़ने से छोटा बघाड़ा, सलोरी, गोविंदपुर, शिवकुटी, मेंहदौरी, शंकरढाल, बेली कछार, दारागंज आदि इलाकों में 50 हजार से ज्यादा छात्र-छात्राओं की चिंता बढ़ गई है। गंगा-यमुना में बाढ़ के प्राथमिक क्षेत्र में 105 गांव व 30 मोहल्ले व शहर में करीब तीन हजार घरों और कछारी इलाके कि 18 हजार बीघे फसल को बाढ़ग्रस्त श्रेणी में रखा गया है। इसमें जिले के करीब 42 सड़कें चिह्नित की हैं जो डूब सकती हैं।

एनडीआरएफ और एसडीआरएफ समेत सेना को बढ़ते जलस्तर की रिपोर्ट भेजी गई है। जल पुलिस व पीएसी की बाढ़ राहत कंपनी को अलर्ट कर दिया गया है। बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए राहत शिविर बनाने, बाढ़ राहत चौकियां सक्रिय करने, 200 नाव व 22 स्टीमर लगाने के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया है। यमुना के किनारे गांवों को पर रखा अलर्ट है। छोटा बघाड़ा, दारागंज, नेवादा, गंगा नगर को प्राथमिक बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में रखा गया है। जबकि गंगा और यमुना के किनारे बसे बारा, करछना, मेजा, सोरांव, फूलपुर व हंडिया तहसील क्षेत्र के करीब 105 गांव को भी सतर्क रहने को कहा है।

नेहा ने पीएम पर कसा तंज बोलीं- अंबानी के लड़के की शादी मणिपुर से ज्यादा जरूरी है?

नई दिल्ली(ईएमएस)। लोक गायिका नेहा सिंह राठौर आए दिन पीएम मोदी से सवाल करती हैं और तंज कसती हैं। जब प्रधानमंत्री, अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी के बाद हुए शुभ आशीर्वाद समारोह में पहुंचे तो नेहा सिंह राठौर ने फिर उन्हें घेर लिया है।

उनका कहना है कि ये ज्यादा जरूरी है। नेहा सिंह राठौर ने ट्विटर पर अनंत अंबानी-राधिका मर्चेंट की शुभ आशीर्वाद सेरेमनी में एंट्री करते हुए पीएम मोदी का वीडियो शेयर करते हुए तंज कसा है।

उन्होंने लिखा, क्या अंबानी के लड़के की शादी मणिपुर से ज्यादा जरूरी है? आप मणिपुर क्यों नहीं गए?बता दें कि कुछ दिन पहले कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी कुछ दिन पहले मणिपुर दौरे पर गए थे। इसे लेकर भी नेहा सिंह राठौर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा था।

बीजेपी दिसंबर तक नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति करेगी

पद के लिए 1 अगस्त से शुरू होगी चुनाव प्रक्रिया

नई दिल्ली(ईएमएस)। बीजेपी इस साल दिसंबर तक अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति करेगी। इस पद के लिए चुनाव प्रक्रिया 1 अगस्त से शुरू होगी। 1 नवंबर से 15 नवंबर तक मंडल (लोकल यूनिट) के अध्यक्षों के लिए चुनाव होगा। इसके बाद 16 नवंबर से 30 नवंबर तक जिला अध्यक्ष का चुनाव होगा।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल इसी साल जनवरी में खत्म हो चुका है। लोकसभा चुनाव के लिए जून तक विस्तार दिया गया था। हालांकि, लोकसभा चुनाव के बाद मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में उन्हें स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया है। इसलिए, बीजेपी अब नए अध्यक्ष की तलाश में है।

उपचुनाव में मिली जीत से गदगद अखिलेश बोले बीजेपी को जनता नकारा रही

लखनऊ (ईएमएस)। देश के सात राज्यों की 13 विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव के नतीजों में 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों ने 10 सीट और बीजेपी ने दो सीट पर जीत दर्ज की, जबकि एक सीट पर निर्दलीय के खाते में गई। इस जीत पर समाजवादी पार्टी प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने प्रतिक्रिया देकर लिखा, उपचुनाव में 'इंडिया एलायंस' की शानदार जीत देश के नए नजरिये और नए जन जागरण की जीत है। युवाओं, महिलाओं, किसानों, मजदूरों, कारोबारियों और महंगाई व पेपर लीक से त्रस्त परिवारवालों ने भाजपा को बुरी तरह नकारा है। एक बार फिर से समझदार मतदाताओं को बधाई।

इस उपचुनाव में कांग्रेस ने चार सीटें जीती। कांग्रेस ने दो सीट भाजपा शासित उत्तराखंड में और दो हिमाचल प्रदेश में हासिल की। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने सभी चार सीट जीतीं, जबकि आम आदमी पार्टी (आप) ने पंजाब में जालंधर पश्चिम सीट जीती और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने की विक्रवांडी विधानसभा सीट पर जीत हासिल की। हिमाचल की हमीरपुर सीट पर भाजपा ने जीत हासिल की, जबकि रूपौली सीट पर निर्दलीय उम्मीदवार शंकर सिंह ने जीत दर्ज की। इन सीट के लिए 10 जुलाई को उपचुनाव हुआ था।

बीजेपी विधायक पहले बोले-हम 2027 में नहीं बना पाएंगे सरकार, फिर मारी पलटी

जौनपुर,(ईएमएस)। यूपी के बदलापुर से बीजेपी विधायक रमेशचंद्र मिश्र का अपनी ही सरकार को लेकर दिए बयान सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। इस वीडियो में विधायक सुबह प्रदेश की राजनीति में केंद्र के हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। वहीं शाम को जारी वीडियो में पीएम मोदी और सीएम योगी की तारीफ कर रहे हैं। वह वीडियो में कह रहे हैं कि 2027 में यूपी में बीजेपी की सरकार बनने से कोई नहीं रोक सकता। सपा-कांग्रेस चाहे जितना झूठ बोलकर लोगों को गुमराह कर लें, कोई लाभ नहीं होने वाला। हम इस वीडियो की पुष्टि नहीं करते हैं।

सुबह सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में विधायक रमेशचंद्र मिश्र कह रहे हैं कि समाजवादी पार्टी प्रदेश में जनता के बीच जिस तरीके से पीडीए के नाम पर भ्रम फैला रही है उससे नहीं लगता है कि हम 2027 में फिर से सरकार बना पाएंगे। वह आगे कहते हैं कि सरकार बन सकती है, किंतु इसके पहले केंद्र को प्रदेश की राजनीति में हस्तक्षेप करते हुए बड़ा फैसला लेना होगा। ऐसा पार्टी के कार्यकर्ताओं और जनप्रतिनिधियों समेत सभी का मानना है। शाम को विधायक का एक और वीडियो वायरल हुआ जिसमें विधायक पूर्व में वायरल वीडियो के संबंध में सफाई देते हुए कहते हैं कि मुझे पता चला है कि मेरे बयान को तोड़-मरोड़कर सोशल मीडिया पर वायनल किया जा रहा जो पूरी तरह गलत है।

केंद्र और प्रदेश में पीएम मोदी और सीएम योगी की डबल इंजन की सरकार पूरी मजबूती से चल रही है और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की नीति को साकार कर रही है। सपा पीडीए के नाम पर जो भ्रामक प्रचार कर रही है जनता उसकी असलियत जानती है। सत्ता का ख्वाब उसके लिए मुंगेरी लाल के हसीन सपने की तरह है। 2027 में भी प्रदेश में बीजेपी की सरकार पूरे दमखम के साथ बनेगी। सपा-कांग्रेस को झूठ बोलने का कोई लाभ नहीं मिलने वाला।

एक दिन पहले प्रतापगढ़ के कद्दावर नेता व पूर्व मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह का भी तहसीलों व थानों में फैले भ्रष्टाचार के बारे में सार्वजनिक रूप से मतदाता अभिनंदन समारोह में दिया गया बयान सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रहा है। इसी तरह विधायक के वीडियो में कही गई बातों को लोग प्रदेश के नेतृत्व पर निशाना साधे जाने और नौकरशाही की मनमानी से भी जोड़कर देख रहे हैं।

दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली,(ईएमएस)। दिल्ली समेत देश के कई राज्यों में बारिश से माहौल खुशगंवार हो गया है। इस बारिश के बाद उमस ने लोगों को परेशान कर दिया है। वहीं, देश के कई हिस्सों में भारी बारिश से आई बाढ़ से लाखों लोग बेघर हो गए हैं और लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में लगातार बारिश के कारण 15 सड़कें पूरी तरह बंद हैं। मौसम विभाग ने महाराष्ट्र में कई जिलों में भी भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के मुताबिक आज दिल्ली में बारिश होने की संभावना है। बारिश के कारण दिल्ली के तापमान में गिरावट आ सकती है। आज दिल्ली का न्यूनतम तापमान 25-26 डिग्री रह सकता है। वहीं, अधिकतम तापमान 35 डिग्री रहने की उम्मीद है। दिल्ली-एनसीआर में अगले कुछ दिनों तक हल्की बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने अपने पूर्वानुमान में कहा कि 17 जुलाई तक दिल्ली और नोएडा में हल्की बारिश जारी रहेगी।

अब ऊंचे इलाकों में तैनात रहेगी भारतीय सेना, आतंकियों पर रखेगी पैनी नजर

जम्मू(ईएमएस)। कई बार देखने में आया है कि आतंकी किसी ऊंची पहाड़ी पर बैठ जाते हैं और वहीं से फायरिंग करते हैं। इससे भारतीय सेना को उन्हे ध्वस्त करने में काफी कठिनाई होती है। इससे निजात पाने के लिए अब सेना ऊंचे पहाड़ों पर तैनात रहेगी और वहीं से गतिविधियों पर पैनी नजर रखेगी। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों में हालिया वृद्धि के लिए केवल पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने अवैध गतिविधियों को भी इसके लिए लिए जिम्मेदार ठहराया। जितेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार एक नई रणनीति लागू कर रही है, जिसमें कठुआ में एक हफ्ते के भीतर शांति बहाल करने के लिए ऊंचे इलाकों में सेना की तैनाती शामिल है।

प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कठुआ में पत्रकारों से कहा, पाकिस्तान से घुसपैठियों द्वारा हाल ही में (जम्मू क्षेत्र में) की गई आतंकवादी घटनाएं निंदनीय हैं। लेकिन बार-बार यह कहना कि पाकिस्तान ने ऐसा किया है, पर्याप्त नहीं है। हमें खुद से और अपनी अंतरात्मा से पूछना होगा कि हमने उन सामाजिक बुराइयों को खत्म करने के लिए क्या किया है, जिनसे आतंकवाद को फायदा हो रहा है। जितेंद्र सिंह ने कहा, जब कश्मीर में (आतंकवादियों पर) दबाव बढ़ा, तो उन्होंने अपना ध्यान जम्मू पर केंद्रित कर दिया। हमारा प्रयास सेना को लाने का था जबकि अर्धसैनिक बल पहले से ही वहां मौजूद हैं। सेना की तैनाती के बाद (आतंकवाद से लड़ने के लिए) एक नई रणनीति बनाई जा रही है। सेना ने पहाड़ियों पर मोर्चा संभाल लिया है ताकि आतंकवादी आगे हमले नहीं कर सकें।

जितेंद्र सिंह ने कहा, सरकार पहले से ही (आतंकवाद के खिलाफ) सख्त कार्रवाई कर रही है लेकिन समाज की भी अपनी जिम्मेदारी है। यह दोहराना कि वे पाकिस्तान से आए हैं, पर्याप्त नहीं है। पाकिस्तान 1947 से ही शरारतें करता आ रहा है और आगे भी करता रहेगा यह नहीं सुनेगा। लेकिन सवाल यह है कि हम क्या कर रहे हैं और हमें यह खुद से पूछना होगा?'' जितेंद्र सिंह ने कहा कि मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध खनन, गोवंश तस्करी के साथ-साथ सरकार और गरीबों की जमीन पर कब्जा करने का उभरता नया फैशन एक दुष्चक्र है जो कुछ हद तक आतंकवाद को बढ़ावा देता है और कठुआ को बदनाम करता है। मंत्री ने कहा कि वह गृह मंत्रालय के साथ लगातार संपर्क में हैं और हाल के हमलों के बाद जम्मू में मौजूदा सुरक्षा स्थिति पर चर्चा करने के लिए थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी से भी मुलाकात की। बता दें कि आतंकवादियों ने 9 जून से 30 दिनों के अंदर शांतिपूर्ण जम्मू क्षेत्र के रियासी, डोडा और कठुआ जिलों में पांच हमले किए, जिसमें सात तीर्थयात्रियों और छह सुरक्षाकर्मियों सहित 15 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। सुरक्षा बलों ने पांच आतंकियों को भी मार गिराया है।

यूपी के 5 जिलों में बदले गए डीएम, कई अफसर हुए इधर से उधर

लखनऊ(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के पांच जिलों में डीएम बदल दिए गए हैं। अयोध्या की जिम्मेदारी चंद्र विजय सिंह सौंप दी गई है। इसी तरह योगी सरकार ने इंद्रमणि त्रिपाठी को औरैया का डीएम बनाया है, वही बद्रीनाथ सिंह को सोनभद्र की जिम्मेदारी मिली है। इसी तरह देवरिया की नई डीएम दिव्या मित्तल को बनाया गया है, वही नीतीश कुमार एमडी दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम बनाए गए हैं।बड़ी बात यह है कि शनिवार को ही यूपी में 10 वरिष्ठ अधिकारियों का भी तबादला किया गया था। इस लिस्ट में अभिषेक को बिजनौर का एसपी बनाया गया, इसी तरह नीरज कुमार को जादौन का एसपी बनाया गया, इराज राजा को गाजीपुर का एसपी, रामसेवक गौतम को शामली का एसपी नियुक्त किया गया। इसी कड़ी में जालौन को भी दुर्गेश कुमार के रूप में नया एसपी मिला और कानपुर नए डीसीपी के रूप में राजेश कुमार सिंह मिले। वैसे वाराणसी, लखनऊ के भी डीसीपी बदल दिए गए।

योगी सरकार पर उनके ही पूर्व कैबिनेट मंत्री ने लगाया भष्ट्राचार का आरोप

प्रतापगढ़ (ईएमएस)। पूर्व कैबिनेट मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोती सिंह ने भ्रष्टाचार को लेकर अपनी ही योगी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि थानों और तहसीलों में ऐसा भ्रष्टाचार उन्होंने अपने चार दशक से ज्यादा के राजनैतिक जीवन में नहीं देखा। प्रतापगढ़ जिले के थानों और तहसीलों का भ्रष्टाचार खत्म होना चाहिए, तभी मतदाताओं का असली सम्मान होगा।

पट्टी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा ने ब्लॉक सभागार में मतदाता अभिनंदन समारोह का आयोजन किया। इसमें विधानसभा के तहत आने वाले सभी मंडलों से आए मतदाताओं का सम्मान हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा जिला प्रभारी ने किया। उन्होंने कहा कि हमें 2027 की ओर देखना है। मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में पुन: कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि विधानसभा पट्टी में मतदाताओं ने बहुत ही बढ़ चढ़कर भाजपा के सम्मान में वोट किया। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं का सही मायने में सम्मान तभी होगा जब थानों और तहसीलों से भ्रष्टाचार खत्म होगा। इसके पहले सम्मान कार्यक्रम में दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा जिला प्रभारी कौशलेन्द्र सिंह पटेल ने किया।

उन्होंने कहा कि मुझे यह कहने में ये संकोच भी नहीं है कि थानों और तहसीलों में ऐसा भ्रष्टाचार मैंने अपने 42 साल के राजनैतिक जीवन में नहीं देखा। जिलों में बिजली थाने खुल गए हैं। एक बल्ब हमने घर में ज्यादा जला लिया तब तुरंत बिजली थाने वाले पहुंच जा रहे हैं। मुकदमा लिखा दूंगा कहकर वसूली कर रहें हैं। क्या हम अपराधी हैं, जो हम पर कार्रवाई कर रहे हैं।

बसपा नेता आर्मस्ट्रांग की हत्या का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

-हिरासत में हिस्ट्रीशीटर ने पुलिस पर हमला कर भागने का किया प्रयास

चेन्नई,(ईएमएस)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के तमिलनाडु चीफ आर्मस्ट्रांग की हत्या में शामिल हिस्ट्रीशीटर बदमाश थिरुवेंगदम को पुलिस ने मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। पुलिस ने आर्मस्ट्रांग की हत्या में शामिल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सभी संदिग्धों से पूछताछ कर रही थी।

जानकारी के मुताबिक रविवार सुबह पुलिस आरोपी थिरुवेंगदम को माधवरम के पास एक जगह पर ले गई, ताकि वे हथियार बरामद किए जा सकें जिनका इस्तेमाल उसने बसपा नेता की हत्या में किया था। इसी दौरान थिरुवेंगदम ने एक एसआई पर हमला करने और पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश की। हिरासत से भागने की कोशिश कर रहे थिरुवेंगदम पर पुलिस ने गोली चला दी। गोली लगने से वह घायल हो गया, इसके बाद पुलिस उसे अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बता दें कि थिरुवेंगदम बसपा के तिरुवल्लूर जिला अध्यक्ष थेन्नारासु उर्फ थेन्ना की हत्या के आरोपियों में से एक था।

यदि दुख बांटने के लिए पैरोल मिलती है, तो खुशी के मौके पर क्यों नहीं: बॉम्बे हाई कोर्ट

- दोषियों को थोड़े समय सशर्त रिहाई दी जाती है, ता?कि वे पा?रिवा?रिक मामलों की व्यवस्था कर सकें

मुंबई (ईएमएस)। बंबई उच्च न्यायालय ने एक व्यक्ति को पढ़ाई के लिए ऑस्ट्रेलिया जा रहे उसके बेटे को विदा करने के लिए पैरोल प्रदान की और कहा कि यदि दुख बांटने के लिये पैरोल दी जा सकती है तो, खुशी के अवसर पर यह मिलनी चाहिए। अदालत ने कहा कि दोषियों को थोड़े समय के लिए सशर्त रिहाई दी जाती है, ताकि वे बाहरी दुनिया से संपर्क में रह सकें और अपने पारिवारिक मामलों की व्यवस्था कर सकें, क्योंकि जेल में रहते हुए भी अपराधी किसी का बेटा, पति, पिता या भाई होता है। न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति मंजूषा देशपांडे की खंडपीठ ने नौ जुलाई के अपने आदेश में कहा कि पैरोल और फरलो के प्रावधानों को समय समय पर दोषियों के प्रति मानवतावादी दृष्टिकोण के रूप में देखा गया है। अदालत विवेक श्रीवास्तव नामक व्यक्ति की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उसने आस्ट्रेलिया के विश्वविद्यालय में अपने बेटे की शिक्षा के लिए टयूशन फीस और अन्य खर्चों का प्रबंध करने तथा उसे विदा करने के लिए पैरोल मांगी थी। अभियोजन पक्ष ने इस दलील का विरोध करते हुए दावा किया कि पैरोल आम तौर पर आपातकालीन स्थितियों में दी जाती है और शिक्षा के लिए पैसे का इंतजाम करना व बेटे को विदा करना ऐसे आधार नहीं हैं जिन पर पैरोल दी जानी चाहिए। उच्च न्यायालय ने कहा कि वह अभियोजन पक्ष के इस तर्क को समझने में विफल रहा। अदालत ने कहा, दुख एक भावना है, खुशी भी एक भावना है और अगर दुख साझा करने के लिए पैरोल दी जा सकती है, तो खुशी के मौके या पल को साझा करने के लिए क्यों नहीं। अदालत ने श्रीवास्तव को दस दिन की पैरोल मंजूर कर ली। श्रीवास्तव को 2012 के एक हत्या के मामले में दोषी ठहराया गया था और वह आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। उसे 2018 में दोषी ठहराया गया था और 2019 में उसने अपनी सजा के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील दायर की थी।

मणिपुर में सुरक्षाबलों पर घात लगाकर हमला, एक जवान शहीद

इम्फाल/नई दिल्ली (ईएमएस)। मणिपुर के जिरीबाम जिले में संदिग्ध उग्रवादियों के घात लगाकर किए गए हमले में एक सीआरपीएफ जवान शहीद हो गया। सीआरपीएफ और पुलिस के संयुक्त गश्ती दल पर संदिग्ध उग्रवादियों ने हमला किया था। साथ ही हमले में दो पुलिस कमांडो घायल भी हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, संयुक्त गश्ती दल पर असम की सीमा से लगे जिले में संदिग्ध उग्रवादियों ने भारी गोलीबारी की। जिस वक्त संदिग्ध उग्रवादियों ने गोलीबारी शुरू की गई, उस वक्त सीआरपीएफ जवान एक गश्ती एसयूवी के पास चल रहा था।

घटनास्थल से सामने आए दृश्यों में एसयूवी पर कई गोलियों के छेद हैं और पीछे की विंडशील्ड टूटी नजर आ रही है। वाहन के अंदर मौजूद दो पुलिस कमांडो को भी गोली लगी है।

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा, मैं जिरीबाम जिले में आज कुकी उग्रवादियों के संदेह वाले एक सशस्त्र समूह द्वारा किए गए हमले में सीआरपीएफ जवान की हत्या की कड़ी निंदा करता हूं। कर्तव्य के पथ पर उनका सर्वोच्च बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। मैं मृतक सैनिक के शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं, साथ ही हमले के दौरान घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

इस हमले से पहले मैतेई समुदाय और हमार जनजातियों के बीच झड़पों के बाद हालिया हफ्तों में जिरीबाम में तनाव काफी बढ़ गया था।

आईएएस पूजा खेड कर की ऑडी जब्त

पुणे (ईएमएस)। महाराष्ट्र की पुणे पुलिस ने रविवार को ट्रेनी आईएएस अफसर पूजा खेडकर की ऑडी कार जब्त कर ली है। पूजा पुणे में असिस्टेंट कलेक्टर के तौर पर पोस्टिंग के दौरान लग्जरी कार पर अवैध तरीके से लाल-नीली बत्ती लगाकर घूमने के बाद विवादों में आई थीं। उनके दबंग रवैये और मनमानी की भी काफी चर्चा है। पुणे पुलिस ने बताया कि खेडकर परिवार के ड्राइवर ने पुणे के चतुरश्रंगी पुलिस स्टेशन के ट्रैफिक डिवीजन में कार जमा करवाई है। कार पर लगी लाल-नीली बत्ती और महाराष्ट्र प्रशासन का स्टिकर हटा दिया गया है। पुलिस कार के डॉक्यूमेंट्स की जांच कर रही है। फिलहाल, कार पर जैमर और उसके चारों ओर बैरिकेड्स लगाए गए हैं।

मानवता शर्मसार.....दबंगों ने दलित दंपती को निर्वस्त्र कर पिटा.....फिर उसके चेहरे पर पेशाब की

मुजफ्फरपुर (ईएमएस)। बिहार मुजफ्फरपुर से मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया हैं, जहां गांव के ही दबंगों ने एक महादलित दंपती की निर्वस्त्र कर पिटाई की। इतना ही नहीं आरोप हैं कि दबंगों ने महिला के पति पर पेशाब भी कर दी हैं। हालांकि इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई हैं। मामला सिलौत विशुनपुर का है।

पीड़ित संजीत मांझी के अनुसार महादलित टोले में पड़ोसी की बेटी की शादी में बारात आनी थी। बाराती को आने में कोई कठिनाई नहीं हो, इसके लिए कीचड़ से सनी पगडंडी को टोला निवासियों ने मिट्टी डालकर च

जन हितैषी

ट्रंप पर हमला अर्थात बैलेट पर बुलेट का प्रहार

अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में शनिवार शाम करीब 6:15 बजे पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर उस वक्त जानलेवा हमला हुआ जबकि वो चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। इस हमले की जितनी भी निंदा की जाए वह कम ही होगी, क्योंकि लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबसूरती यही है कि बिना हिंसा और खून-खराबे के सरकारें बदल जाती हैं। बड़ी से बड़ी समस्या का समाधान बात-चीत से निकाल लिया जाता है। बावजूद इसके लोकतांत्रिक देशों में हिंसा बढ़ रही है, जो वाकई चिंता का विषय है। जहां तक पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप पर हुए हमले की बात है तो जब वो चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे तभी फायरिंग हुई और उनके दाहिने कान का ऊपरी हिस्सा जख्मी हो गया। अधिक मात्रा में बहते खून को रोकने ट्रंप ने कान में हाथ लगाया और एक सफल नेता की तरह लोगों को आश्वस्त किया कि कुछ नहीं हुआ है। इसके फौरन बाद ही उन्हें अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर अपनी कुशल-क्षेम समर्थकों और शुभचिंतकों को दी और विरोधियों को बतला दिया कि वो ऐसे हमलों से डरने वाले नहीं हैं। वो चुनाव मैदान में डटे हुए हैं और आगे भी बने रहेंगे। उन पर हमला करने वाला आरोपी युवक उसी वक्त मार गिराया गया। उसकी पहचान भी कर ली गई है। बहरहाल इस दुःखद घटना ने अमेरिका ही नहीं बल्कि दुनिया के उन तमाम लोकतांत्रिक देशों के लिए एक सवाल तो छोड़ ही दिया है कि जहां बैलेट से सरकारें बदली जा सकती हैं वहां बुलेट का क्या काम है? आखिर क्या वजह रही होगी कि एक नौजवान को देश के पूर्व राष्ट्रपति और मौजूदा चुनाव में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की यूं जान लेने की सूझ पड़ी थी? अमेरिका में इस तरह की यह पहली घटना नहीं है, बल्कि इससे पहले भी राष्ट्रपतियों, पूर्व राष्ट्रपतियों और उम्मीदवारों को निशाना बनाया गया और उनकी हत्या कर दी गई। अमेरिका के इतिहास पर सरसरी निगाह डालें तो मालूम चलता है कि यहां की राजनीति में भी हिंसा के स्याह पन्ने जुड़े हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स को यदि सही माना जाए तो राष्ट्रपति पद पर रहते हुए चार नेताओं की हत्या कर दी जाना कोई मामूली बात नहीं है। इस पर अमेरिका के 35वें राष्ट्रपति जॉन एफ केनेडी की हत्या की गुत्थी तो आज तक सुलझाई नहीं जा सकी है, जो कि अपने आप में अविश्वसनीय घटना लगती है। इनसे पहले अमेरिका के 16वें राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की 14 अप्रैल, 1865 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद अमेरिका के 20वें राष्ट्रपति जेम्स गारफील्ड की 2 जुलाई, 1881 को गोली मारकर हत्या की गई। इसी तरह से 25वें राष्ट्रपति विलियम मैककिनले को 6 सितंबर, 1901 को गोली मारी गई और उनकी मौत इसी कारण 14 सितंबर 1901 को हुई। अमेरिका के 35वें राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी को नवंबर 1963 में गोली मारी गई थी। इतिहास के पन्नों में दर्ज इस हत्या के कारणों का खुलासा आज तक नहीं हो सका, जिसे लेकर समय-समय पर दावे-प्रतिदावे भी किए जाते हैं। इसी तरह से राष्ट्रपति के अनेक उम्मीदवारों को वक्त-वक्त पर बंदूक की गोली का निशाना बनाया गया और उन्हें हलाक कर दिया गया। वैसे तो लोकतांत्रिक व्यवस्था में इस तरह हिंसा और खून-खराबे की रत्तीभर भी इजाजत नहीं है, लेकिन अफसोस कि देखने में यही आता रहा है कि जब-जब चुनाव आते हैं, किसी न किसी तरह से बुलेट के हिमायती सिर उठाना शुरु कर देते हैं। इसे राजनीतिक हिंसा का नाम दिया जाता है, जबकि इसके पीछे के कारणों की अनदेखी कर दी जाती है। देश और दुनियां के बदलते हालात और नई-नई चुनौतियों को एक कारण माना जाता है, लेकिन इससे आगे भी कुछ है, जिस पर अब विचार करने की आवश्यकता आन पड़ी है। विचार करना होगा कि जिनके हाथों में देश की दशा और दिशा तय करने की ताकत होती है, जब वो चुनाव मैदान में उतरते हैं तो उनकी भाषा क्या संयमित होती है? क्या वो हथियार उठाने और एक-दूसरे को चुनौती देने जैसे बयानों से बचते हैं? क्या वो वर्ग और जाति में बांटकर लोगों को आपस में लड़ाने और अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने से गुरेज करते हैं? क्या जनता से किए गए चुनावी वादे भी कभी सौ फीसद पूरे किए जाते हैं? और सबसे अहम सवाल यह कि जिस मकसद के लिए लोकतंत्र को अपनाया गया क्या उसे पूरा करने के लिए भी कभी जी-जान से मेहनत की गई है? यदि इन तमाम सवालों के जवाब हां में मिलने लगें तो फिर देखिए बुलेट पर कैसे बैलेट प्रभावी सिद्ध होता है। चुनाव के दौरान आगे इस तरह के जानलेवा हमले न हों, इस पर जरुर विचार करने और सार्थक हल खोजने की आवश्यकता है।

सुप्रीम फैसला : सीबीआई जाँच के लिए, राज्य की मंजूरी जरूरी....?

सर्वोच्च न्यायालय ने अपने एक महत्वपूर्ण फैसले के माध्यम से अब तक चली आ रही उन दुर्भावनापूर्ण सीबीआई जांचों पर पाबंदी लगा दी है, जिसका अब तक मुख्य आधार राजनीतिक विद्वेष होता रहा है, अब सर्वोच्च न्यायालय ने यह स्पष्ट निर्देश दे दिया है कि किसी भी राज्यके किसी भी मामले में सीबीआई बिना राज्य सरकार की पूर्व अनुमति के शुरू नही कर सकती, अब तक केन्द्र में काबिज राजनीतिक दल अपने विरोधी दलों की राज्य सरकारों को सीबीआई के हथियार से डराया धमकाया करते थे और राज्य सरकार कुछ नही कर पाती थी, अर्थात् केन्द्र में राज करने वाला राजनीतिक दल अपने दल विरोधी राज्य सरकारों को सीबीआई के हथियार से डराया धमकाया करता था किंतु अब पश्चिम बंगाल की शिकायत पर दर्ज मामले में सुप्रीम कोर्ट की साफगोई के बाद यह संभव नही हो पाएगा।

आज की तारीख में पूरे देश के राज्यों में ढाई सौ से अधिक ऐसे मामले चल रहे है जो केन्द्र द्वारा राजनीतिक विद्वेष के कारण अपनी विरोधी दलीय राज्य सरकारों पर सीबीआई जांच बिठा रखी है और इस तरह सीबीआई को राजनीतिक हथियार बना रखा है, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बैनर्जी की पहल पर यह मामला सर्वोच्च न्यायालय पहुंचा और सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए और केन्द्र पर यह पाबंदी लगा दी कि वह बिना सम्बंधित राज्य सरकार की पूर्व अनुमति के सम्बंधित राज्यके किसी भी सीबीआई के माध्यम से जांच नही थोप सकता। जांच के लिए उसे पहले सम्बंधित राज्य की सरकार से जांच की अनुमति लेनी पडेगी। इस प्रकार सुप्रीम कोर्ट ने देश में चल रहे उस राजनीतिक चलन पर पाबंदी लगा दी जिसका आधार पूर्वाग्रही राजनीति रही है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले का देश के राजनीति व उनके नेताओं पर क्या असर होता है? यह तो इसके लागू हो जाने के बाद अब भविष्य में पता चलेगा, किंतु यह सही है कि यह भारतीय राजनीति को स्वच्छ निर्मल बनाने में सुप्रीम कोर्ट की पहल अवश्य सिद्ध होगी।

वैसे यह चलन हमारे भारत में कोई नया नही है, आजादी के बाद नेहरू युग से चला आ रहा है वैसे उस समय देश के अधिकांश राज्यों पर कांग्रेस का ही कब्जा था और उस समय सीबीआई संगठन भी नही था, किंतु केन्द्रीय जांच के नाम पर यह कथकंडा अवश्य अपनाया जाता था। धीरे-धीरे इस हथकंड़े ने प्रभावी रूप धारण किया और इस नई सदी में तो इसने विशाल रूप धारण कर लिया और यह राजनीतिक विद्वेष का प्रमुख हथियार बन गया और इसी का परिणाम है कि आज केन्द्र द्वारा अपनी दल विरोधी राज्य सरकारों को परेशान करने के लिए इसी सीबीआई को हथियार बना रखा है।

अब सर्वोच्च न्यायालय के इस अहम् फैसले के बाद उम्मीद है कि केन्द्र द्वारा सीबीआई के राजनीतिक दुरूपयोग पर अंकुश लग जाएगा और किसी भी राज्यके किसी भी मामले में सीबीआई से जांच करवाने के पहले काफी सोच-समझकर और सम्बंधित राज्य की पूर्व अनुमति लेकर ही सीबीआई जांच की प्रक्रिया शुरू की जाएगी और यह तय है कि ऐसी जांच के अधिकांश मामलों में सम्बंधित राज्यों से केन्द्र को जांच की अनुमति नही मिल पाएगी और धीरे-धीरे सीबीआई नामक महत्वपूर्ण जांच एजेंसी का राजनीतिक दुरूपयोग कम होता जाएगा।

यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि केन्द्रीय जांच संगठन अर्थात् सीबीआई में अफसरों की तैनाती भी अब तक काफी विवादास्पद रही है, मुख्यतः इस संगठन में तैनाती के पूर्व सम्बंधित अफसरों का राजनैतिक समर्पण भाव जांचा परखा जाता रहा है, इसीलिए सरकार बदलते ही यह संगठन सर्वाधिक प्रभावित होता रहा है, किंतु अब सर्वोच्च न्यायालय के अनुमति सम्बंधी फैसले के बाद अब केन्द्र के राजनैतिक हथकंड़ों पर थोड़ी बंदिश अवश्य लग जाएगी, ऐसी उम्मीद की जा रही है। (लेखक -ओमप्रकाश मेहता/ईएमएस)

अंतर्ध्यान क्यो हो गए बर्फानी बाबा!

बाबा अमरनाथ यानि बर्फानी बाबा के दर्शनों के लिए श्रद्धालु पूरे साल अमरनाथ यात्रा का इंतजार करते हैं। लंबी पर्वतीय यात्रा के बाद श्रद्धालुओं को किसी तरह से बाबा बर्फानी के दर्शन होते हैं तो श्रद्धालु स्वयं को धन्य समझते है।लेकिन इस बार यात्रा शुरू हुए अभी कुछ ही समय बिता है और बाबा बर्फानी धीरे धीरे पिघलते हुए अंतर्ध्यान हो गए हैं। इस साल अमरनाथ यात्रा 29 जून को ही शुरू हुई थी।जबकि 6 जुलाई को अमरनाथ गुफा में बर्फ से बना शिवलिंग जिसे हिमलिंग भी कहते है, पिघलकर अंतर्ध्यान हो गया है।अमरनाथ यात्रा शुरू होने के बाद 10 दिन से भी कम समय में बाबा बर्फानी के अदृश्य होने का जिम्मेदार एक तरफ जहां गर्मी को माना जा रहा है,वही श्रद्धालुओं की भीड़ से उत्पन्न गर्मी भी इसका एक बड़ा कारण है।अमरनाथ गुफा के भीतर शिवलिंग का निर्माण प्राकृतिक रूप से बर्फ द्वारा होता है।गर्मियों में इस गुफा के अंदर मौजूद पानी जमकर शिवलिंग का आकार ले लेता है। हाल ही में कश्मीर घाटी का अधिकतम तापमान 35.7 डिग्री तक दर्ज किया गया, जो सामान्य से 7.9 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था, अमरनाथ गुफा के पुजारियों का कहना है कि गर्मी की वजह से ही बाबा बर्फानी अबकी बार जल्दी पिघल गए।ऐसा पहली बार ही नहीं हुआ, बल्कि बर्फ के बाबा तीर्थ यात्रा पूरी होने से पहले ही कई बार विलुप्त हुए हैं।सन 2006 में यात्रा शुरू होने से पहले ही बाबा का स्वरूप पिघल गया था।सन 2004 में तीर्थ यात्रा की शुरुआत के 15 दिनों में ही बाबा विलुप्त हो गए थे।इसी तरह सन 2013 में 22 दिन में और 2016 में 13 दिनों में हिमलिंग पिघल गया था।सन 2006 में तो यात्रा शुरू होने से पहले ही बाबा बर्फानी विलुप्त हो गए थे। श्रीअमरनाथ श्राइन बोर्ड ने इसका कारण तलाशने की कोशिश की थी, बोर्ड के अनुरोध पर सेना के हाई एल्टीटयूड वारफेयर स्कूल और स्नो एंड एवलांच स्टडीज इस्टेब्लिशमेंट ने बाबा बर्फानी पर एक अध्ययन किया था। जिसपर पाया गया कि अमरनाथ गुफा के आसपास तापमान में बढ़ोतरी शिवलिंग पिघलने का प्रमुख कारण है। इसके अलावा गुफा में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या, गुफा के आसपास बढ़तीं मानवीय गतिविधियां भी इसके लिए जिम्मेदार हैं।हर श्रद्धालु गुफा में करीब 100 वाट ऊर्जा उत्सर्जित करता है, अमरनाथ यात्रा के दौरान लगभग 250 आस्थावान पवित्र गुफा में एक समय में रहते हैं। अमरनाथ गुफा का वेंटिलेशन लोड करीब 36 किलोवाट बताया गया है, यानी जितने ज्यादा लोग वहां पहुंचते हैं, उतनी ज्यादा ऊर्जा गुफा में पैदा होती है, जो सीधे बाबा बर्फानी पर असर करती है।बाबा बर्फानी के आस-पास पहुंचने वाले लोगों की संख्या सीमित की जानी चाहिए. हालांकि, लोगों की आस्था को देखते हुए यह कितना कारगर होगा, यह भी एक बड़ा सवाल है। इसके अलावा गुफा के आसपास मशीनों आदि के इस्तेमाल पर भी रोक लगनी चाहिएपहाड़ी इलाकों में भी इस बार गर्मी बढ़ी है। ग्लोबल वार्मिंग रोकने के लिए पूरी दुनिया को प्रकृति की ओर लौटना होगा और बढ़ते कंक्रीट के जंगलों और मशीनों के इस्तेमाल को रोकना होगा।फिलहाल तो पूरी दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग पर चिंताएं जताई जा रही हैं फिर भी इंसान कोई सबक लेने को तैयार नहीं दिखता। ऐसे में प्राकृतिक आपदाओं और भीषण गर्मी का सामना करना ही पड़ेगा।बारिश होने पर तापमान घटता है पर ऐसा इस बार घाटी में भी नहीं हुआ। बारिश कम हुई, जिसके कारण तापमान लगातार ज्यादा बढ़ा रहा।इसके अलावा बाबा के दर्शन करने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। घोड़ों और खच्चरों के साथ ही साथ हेलीकॉप्टर की उड़ानें भी लगातार बढ़ती जा रही हैं,जिससे हम कह सकते है कि पवित्र गुफा और यात्रा मार्ग पर खान-पान से लेकर अन्य सेवाएं देने वाले लोग, सुरक्षा के लिए तैनात बलों और उपकरणों का असर भी तापमान पर पड़ रहा है।

बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए इस बार भी लोगों में भारी उत्साह दिख रहा है। पिछले साल यानी 2023 में जहां करीब साढ़े चार लाख लोगों ने अमरनाथ यात्रा पूरी कर बाबा के दर्शन किए गए, वहीं इस बार छह लाख लोगों के पवित्र यात्रा करने का अनुमान है। अभी एक सप्ताह ही बीता है और डेढ़ लाख से ज्यादा श्रद्धालु बाबा के दर्शन कर चुके हैं।बर्फानी बाबा के अंतर्ध्यान होने के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कमी नही आई और वे पवित्र गुफा के दर्शन से ही तृप्त हो रहे है। (लेखक-डॉ श्रीगोपाल नारसन/ ईएमएस) (लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

अनंत की शादी या शादी का अनंत?

मुझे पढ़ने वाले, स्नेह करने वाले, चिढ़ने वाले रोजाना किसी न किसी विषय पर लिखने का आग्रह करते हैं। कभी कभी मैं अपने प्रशंसकों और विरोधियों के सुझाए विषयों पर लिखता भी हूं, लेकिन मुझे हैरानी है कि किसी ने भी मुझसे इस साल की सबसे मंहगी अनंत अंबानी की शादी पर लिखने का आग्रह नहीं किया। आज मैं खुद इस विषय पर लिख रहा हूं।

धीरूभाई अंबानी के पौत्र अनंत अंबानी की शादी भारत में होने वाली शायद सबसे मंहगी और विशेष शादी है।इस शादी में अनंत के पिता माननीय मुकेश अंबानी केवल आसमान के तारे तोड़कर नहीं ला पाए अन्यथा धरती पर जितना कुछ संभव था उन्होंने कर दिखाया।

मै अंबानी परिवार से वर्षों से जुड़ा हूं, हालांकि वे मुझे नहीं पहचानते। पहचानते होते तो मुझे भी अनंत की शादी का निमंत्रण पत्र भेजते। अंबानी परिवार ने अनंत की शादी पर जिस दरियादिली से द्रव्य खर्च किया है , उसे देखकर इस परिवार के प्रति मेरे मन में श्रद्धा और बढ़ गई है ।मै उन लोगों में से नहीं हूं जो अनंत की शादी पर होने वाले खर्च को फिजूलखर्ची मानते हैं। मै इस खर्च को अम्बानी परिवार का संवैधानिक और मौलिक अधिकार मानता हूँ।

अम्बानी के बेटे की शादी में जो गया वो सौभाग्यशाली है ,और जो नहीं जा पाया वो शायद बदनसीब ही कहा जाएगा। माननीय प्रधानमंत्री से लेकर माननीय शंकराचार्य तक अनंत को शुभकामनाएं,बधाई और आशीर्वाद देने पहुंचे। ये अनंत की किस्मत है कि वे उस परिवार में जन्मे हैं जिसने दुनिया को 22 साल पहले अपनी मुट्ठी में कर लिया था। अनंत के दादा धीरूभाई अम्बानी ने मात्र 500 रूपये से अपना कारोबार शुरू किया था और आज उनके बेटे मुकेश अम्बानी के पास 12370 करोड़ अमीरीकी डालर यानि कोई 1020 लाख करोड़ की सम्पत्ति है। ये अम्बानियों का पुरुषार्थ है। वे आज दुनिया के बड़े से बड़े सितारे को अपनी उँगलियों पर नचा सकते है। भारत की सत्ता और विपक्ष और जनता-जनार्दन आखिर किस खेत की मूली है ? उनकी मुट्ठी में देश कि सत्ता,देश कि अर्थव्यवस्था और देश कि निरीह जनता है।

अनंत की शादी की तस्वीरें देखकर जलने वालों की संख्या भी अम्बानी की अकूत सम्पत्ति की तरह असंख्य है ,लेकिन जलने वाले जलते रहें ,अम्बानी जी के ऊपर क्या असर होने वाला है ? देश में माननीय प्रधानमंत्री जी से लेकर अम्बानी जी का संतरी भी ये हिम्मत नहीं कर सकता कि वो अम्बानी जी को धन का अमर्यादित प्रदर्शन करने से रोक सके। प्रतिकार की शक्ति नैतिकता से आती है और दुर्भाग्य से ये शक्ति न हमारे राजनेताओं में है और न धार्मिक नेताओं में। वे सब लक्ष्मी के दरबार में चोबदारों की तरह अपने सेंगोल लेकर उपस्थित हुए हैं। अगर उपस्थित न होते तो शायद अम्बानी परिवार उन्हें जाति बाहर कर देता। और जाति से बाहर कोई नहीं होना चाहता । न प्रधानमंत्री और न शंकराचार्य। लक्ष्मी के सामने सभी नतमस्तक होते हैं। मुझे तो लग रहा था कि जैसे अम्बानी के बेटे की शादी में दुनिया के सारे अब्दुल्ला दीवाने हो रहे थे।

अम्बानी परिवार ने किस गवैये ,किस नचाइये को कितना धन दिया इसकी खबरें चटखारे लेकर छपी,दिखाई जा रहीं हैं। अनत और उनकी पत्नी राधिका के लंहगे से लेकर मेकअप तक के कसीदे काढ़े जा रहे हैं। इस नव दम्पत्ति के साक्षात्कार ऐसे दिखाए जा रहे हैं जैसे वे भारत की संस्कृति का प्रतिनीधित्व करते हों। ये वो देश है जिसमें आज भी लोग अपने बच्चों का विवाह करने के लिए सरकारी योजनाओं पर निर्भर हैं। लेकिन इस देश में ही अम्बानी भी रहते हैं। उनके पास इतनी सम्पत्ति है कि वे यदि रोजाना 3 करोड़ रूपये भी खर्च करें तो उन्हें अपनी सम्पत्ति खर्च करने के लिए कम से कम 932 साल छह महीने चाहिए। यानि अम्बानी की कम से कम दस पीढ़ियां तो बिना हाथ हिलाये आनंद के साथ रह सकतीं हैं।

दुनिया के हर देश में अपने-अपने अम्बानी है। पूंजीवादी देशों में तो अम्बानियों का होना स्वाभाविक है लेकिन भारत जैसे महान लोकतान्त्रिक देश में किसी का अम्बानी होना एक अजूबा है। भारत में 500 रूपये की पूँजी से अरबों-खरबों की पूँजी बनाने का करिश्मा यूं ही नहीं हो जाता । इस करिश्में में वे तमाम संवैधानिक और असंवैधानिक शक्तियां भी बराबर से सहयोगी होतीं हैं जिनके दर्शन आपने अनंत की शादी के प्रीतिभोज में किये।

मै किसी का नाम लेकर किसी को लांछित नहीं कर सकता। किसी को लांछित करने का कोई कारण भी नहीं है। ये एक परिवार का सुखद प्रसंग है। दुखद सिर्फ इतना है कि देश के प्रधानमंत्री हों या शंकराचार्य या विपक्ष के नेता उन गरीबों के बच्चों की शादियों में नहीं जाते जहाँ तड़क-भड़क नहीं होती। गरीबों के यहां जाने और न जाने से कोई फर्क नहीं पड़ता। फर्क पड़ता है अम्बानियों के यहां न जाने से। माननीय प्रधानमंत्री जिन अम्बानी के बेटे की शादी में शरीक हुए उन्हें के ऊपर पिछले महीने आम चुनाव के समय उन्होंने टेम्पो भर भरकर विपक्ष को रुपया देने का आरोप लगाया था। ईडी प्रेमी सरकार भी अम्बानी के घर ईडी भेजने का साहस नहीं कर पायी।

देश के एक सामान्य नागरिक और अम्बानी परिवार के उपभोक्ता की हैसियत से मै अनंत और राधिका के सुखद और उज्ज्वल जीवन के लिए अपनी शुभकामनाएं और बधाई प्रेषित करते हुए अनंत से आग्रह करूंगा कि जब उनके हाथ में अम्बानी परिवार की सत्ता आए तो वे अपनी शादी में हुए धन के बेहूदा प्रदर्शन कि पुनरावृत्ति नहीं होने देंगे। प्रेरणा लेंगे उस गाँधी परिवार से जिसने अपनी बेटी की शादी में मात्र 350 लोगों को आमंत्रित किया था। यद्यपि गांधी परिवार चाहता तो अम्बानी से ज्यादा भीड़-भड़क्का,चमक-दमक कर सकता था।

मुझे याद है कि प्रियंका की शादी में कांग्रेस के ही तमाम सांसदों को न्यौता नहीं दिया गया था। हमारे माननीय के तो कोई बाल-बच्चा है नहीं इसलिए उनके ऊपर इस तरह की फिजूलखर्ची का कोई आरोप लगाया नहीं जा सकता ,लेकिन उन्होंने अपने मन की हसरत अपने शपथ ग्रहण समारोह में देश - दुनिया के तमाम लोगों को आमंत्रित कर पूरी कर ली थी।

लब्बो-लुआब ये है कि भारत में अनंत जैसी शादियों पार प्रतिबंध की जरूरत है, क्योंकि आज भी इस देश में 80 करोड़ से ज्यादा जनता सरकार द्वारा मुहैया कराये जा रहे पांच किलो अन्न पर निर्भर है। अम्बानी जैसी फिजूलखर्ची इन गरीबों का अपमान है। उन्हें नीचा दिखने कि कोशिश है। देश में यदि शादियों की फिजूल खर्ची रोकने के लिए कोई कानून प्रभावी नहीं है तो नए क़ानून बनाये जाएँ। सत्ता के शीर्ष पर बैठे लोग इस तरह के फूहड़ धन प्रदर्शन से जुड़े आयोजनों में जाने से अपने आपको रोकें ,अन्यथा देश में उलटी गंगा हमेशा बहती रहेगी। और हमारा संविधान टुकुर-टुकुर ये सब देखता रहेगा।(लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

वित्तीय स्थिरता प्रतिवेदन के अनुसार भारत की वित्तीय प्रणाली बहुत मजबूत है

जून 2024 के अंतिम सप्ताह में, 27 जून 2024 को, भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय स्थिरता प्रतिवेदन जारी किया है। यह प्रतिवेदन वर्ष में दो बार, 6 माह के अंतराल पर, जारी किया जाता है। इस प्रतिवेदन में यह बताया गया है कि भारतीय अर्थव्यवस्था और भारत की वित्तीय प्रणाली लगातार मजबूत बनी हुई है और बेहतर तुलन पत्र के आधार पर, भारत के बैंक एवं वित्तीय संस्थान लगातार ऋण विस्तार के माध्यम से देश की आर्थिक गतिविधियों में तेजी लाने में अपनी प्रभावी भूमिका का सफलतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं।

31 मार्च 2024 को समाप्त वित्तीय वर्ष में भारत के अनुसूचित वाणिज्यिक बैकों का पूंजी पर्याप्तता अनुपात 16.8 प्रतिशत का रहा है तथा सकल अनर्जक आस्ति अनुपात पिछले कई वर्षों के सबसे निचले स्तर अर्थात 2.8 प्रतिशत पर एवं निवल अनर्जक आस्ति अनुपात केवल 0.6 प्रतिशत पर आ गया है जो अपने आप में एक रिकार्ड है। न केवल अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक मजबूत बने हुए हैं अपितु गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) भी स्वस्थ बनी हुई हैं, जिनका पूंजी पर्याप्तता अनुपात 26.6 प्रतिशत, सकल अनर्जक आस्ति अनुपात 4.0 प्रतिशत और आस्तियों पर प्रतिलाभ 3.3 प्रतिशत रहा है। पूंजी पर्याप्तता अनुपात का मजबूत स्थिति में रहने का आश्य यह है कि इन बैकों के पास पर्याप्त मात्रा में पूंजी उपलब्ध है और इन बैकों में किसी प्रकार की आर्थिक परेशानी आने पर यह बैंक सफलतापूर्वक उस आर्थिक परेशानी का सामना कर सकते हैं। वहीं दूसरी ओर, अनर्जक आस्ति अनुपात का सबसे कम स्तर पर आने का आश्य यह है कि बैकों द्वारा प्रदान किए जा रहे ऋणों की अदायगी समय पर हो रही है एवं इन ऋणों पर पर कोई दबाव दिखाई नहीं दे रहा है।

उक्त प्रतिवेदन में भारतीय रिजर्व बैंक ने भारतीय अर्थव्यवस्था में पनप रहे कुछ जोखिमों की ओर भी इशारा किया है। हालांकि वैश्विक स्तर पर कई विकसित देशों द्वारा अभी भी सख्त मौद्रिक नीति का अनुपालन किया जा रहा है एवं इन देशों द्वारा ब्याज दरों को अभी भी उच्च स्तर पर बनाए रखा गया है क्योंकि मुद्रा स्फीति की दर इन देशों में स्वीकार्य स्तर तक नीचे नहीं आ पाई है। भारत के लिए जरूर इस प्रकार के जोखिम कमजोर पड़े हैं क्योंकि भारत में मुद्रा स्फीति की दर को नीचे लाने में सफलता मिली है। परंतु, भारत में एक तो विशेष रूप से कोविड महामारी के बाद से नागरिकों पर ऋण का अतिरिक्त बोझ बड़ा है और दूसरे भारतीय नागरिकों की वित्तीय बचत की दर में कमी आई है। उक्त प्रतिवेदन में विशेष रूप से इन दो जोखिमों की ओर ध्यान दिलाया गया है।

भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार वित्तीय वर्ष 2022-23 में नागरिकों की बचत दर घटकर सकल घरेलू उत्पाद के 18.4 प्रतिशत तक नीचे आ गई है जो वर्ष 2013 से 2022 के बीच में औसतन 20 प्रतिशत की रही है। इसी प्रकार, एक अन्य मानक के अनुसार, वर्ष 2013 से 2022 के बीच भारतीय नागरिक अपनी कमाई का औसतन 39.8 प्रतिशत भाग बचत करते थे परंतु वित्तीय वर्ष 2022-23 में यह भाग घटकर 28.5 प्रतिशत तक नीचे आ गया है। बचत, दरअसल, दो प्रकार की होती है, एक वित्तीय बचत और दूसरे, सम्पत्ति निर्मित करने हेतु बचत। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, भारतीय नागरिकों की वित्तीय बचत जरूर कम हुई है परंतु सम्पत्ति निर्मित करने हेतु की गई बचत में वृद्धि दृष्टिगोचर है। जैसे, मकान बनाने हेतु एवं कार खरीदने हेतु की गई बचत को सम्पत्ति निर्मित करने हेतु की गई बचत की श्रेणी में रखा जाता है। भारत में हाल ही के वर्षों में सम्पत्ति निर्मित करने हेतु बचत का रुझान बहुत तेज गति से आगे बढ़ा है। आवास एवं कार आदि जैसी सम्पत्तियां खरीदने हेतु भारत में मध्यवर्गीय परिवार अपनी बचत के साथ ही बैकों से ऋण लेकर भी इन सम्पत्तियों का निर्माण कर रहे हैं। इससे अर्थव्यवस्था के चक्र में भी तेजी दिखाई देने लगी है क्योंकि मकान बनाने के लिए स्टील, सिमेंट, आदि पदार्थों की खपत भी बढ़ रही है एवं इन उत्पादों का उत्पादन भी विनिर्माण इकाईयों द्वारा अधिक मात्रा में किया जा रहा है, इससे देश में रोजगार के अवसर भी निर्मित हो रहे हैं। कुल मिलाकर, इससे देश के अर्थ चक्र में तेजी दिखाई देने लगी है। साथ ही, वित्तीय बचत कम इसलिए भी हो रही है क्योंकि अब देश का पढ़ा लिखा नागरिक वित्तीय रूप से अधिक साक्षर हो गया है एवं अब यह स्थिति समझने लगा है कि बैंकों एवं पोस्ट ऑफिस में बचत करने पर मिल रहे ब्याज की तुलना में शेयर (पूंजी) बाजार में निवेश करने तथा सोने एवं चांदी जैसे पदार्थों में निवेश करने से अधिक आय का अर्जन सम्भव होता दिखाई दे रहा है। साथ ही, भूमि का टुकड़ा खरीदकर उस पर भवन का निर्माण कर तुलनात्मक रूप से अधिक आय का अर्जन किया जा सकता है। अतः बैकों एवं पोस्ट ऑफ़िस के स्थान पर अब देश के नागरिक देश के पूंजी बाजार में अपनी बचत का निवेश करने लगे हैं।

दूसरे, मध्यवर्गीय परिवार अब अपने बच्चों की शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं पर अधिक ध्यान देने लगे हैं। इससे, इनकी कुल आय का अधिक प्रतिशत अब इन मदों पर खर्च होता दिखाई दे रहा है, इससे अंततः इन परिवारों की बचत में भी कमी दृष्टिगोचर हो रही है। इसी कारण के चलते नागरिकों की शुद्ध वित्तीय बचत में 11.3 प्रतिशत की भारी भरकम गिरावट दर्ज हुई है जो वर्ष 2022-23 में 28.5 प्रतिशत की रही है और पिछले 10 वर्षों के दौरान औसतन 39.8 प्रतिशत की रही थी।

कोरोना महामारी के दौरान चूंकि पूरे देश में लाक्डाउन लगाया गया था अतः इस दौरान भारत में घरेलू बचत दर बढ़कर 51.7 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। परंतु कोरोना महामारी के बाद जैसे ही लाक्डाउन को हटाया गया, नागरिकों ने अपने खर्चों में वृद्धि करना शुरू कर दिया एवं आस्तियों में निवेश भी करना शुरू किर दिया था, इससे घरेलू बचत की दर में भारी भरकम गिरावट दर्ज हुई है। अब तो देश के नागरिक आस्तियों में निवेश करने के उद्देश्य से बैकों से ऋण प्राप्त करने में भी किसी प्रकार की कठिनाई का अनुभव नहीं कर रहे हैं। इस सम्बंध में भारतीय बैकों ने भी अपने नियमों को शिथिल किया है। इससे भारत में ऋण में वृद्धि दर लगातार 15 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है वहीं जमाराशि में वृद्धि दर लगातार कम होती जा रही है जिसका प्रभाव वृद्धात्मक ऋणःजमा अनुपात पर भी पड़ता दिखाई दे रहा है जो अब 100 प्रतिशत के आसपास पहुंच गया है।

एक और दिलचस्प पहलू यह भी उभरकर सामने आया है कि अब पर्यावरण में हो रहे परिवर्तन को भी वित्तीय जोखिम की तरह ही माना जा रहा है। अर्थात, अब जलवायु जोखिम एवं साइबर जोखिम को भी गम्भीर खतरे के रूप में देखा जा रहा है। आगे आने वाले समय में इन दोनों जोखिमों की वजह से भारतीय वित्तीय प्रणाली पर भारी दबाव पड़ सकता है। जलवायु परिवर्तन के चलते तो भारत की मौद्रिक नीति पर भी प्रभाव पड़ सकता है जिससे अंततः वित्तीय तंत्र के लिए भी जोखिम बढ़ सकता है। (लेखक - प्रहलाद सबनानी/ईएमएस)

शब्द पहेली - 8068

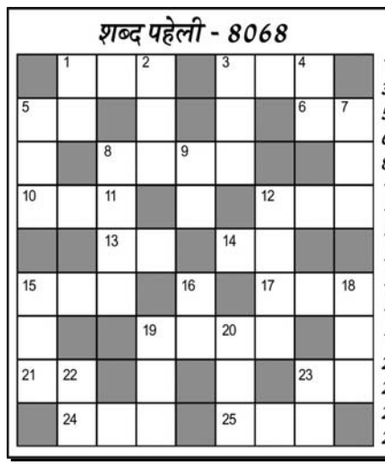

बाएँ से दाएँ

1.तरंग,हिलोर-3
3.झगड़ा,द्वेष,कहासुनी-3
5.पार्थिव देह-2
6.जरा,थोड़ा-2
8.रहस्य जानने वाला-4
10.दरवेश, औलिया,पीर-3
12.बहुतांश-3
13.राजनीतिक पार्टी-2
14.हिरासत-2
15.साजन,प्रेमी-3
17.देवर्षि-3
19.भगवान,रब,करतार -4
21.श्रवणेंद्रिय-2
23.प्राण,जीवन तत्व-2
24.द्रव पदार्थ-3
25.डोली उठाने वाले-4

ऊपर से नीचे

1.भगवान राम का एक पुत्र-2
2.दया,करुणा-3
3.शर्ट,बुशर्ट-3
4.अधिकार-2
5.भद्र,कुलीन-3
7.बड़ा भवन,कोठी-3
8.हमेशा,हर पल-4
9.यात्री,पथिक,राहगीर-2
12.कुख्यात-2,2
15.तमीज,तहजीब-3
16.रात्रि,रजनी-2
18.शोषण करना,दबाना-3
19.आसान,सीधा-3
20.नाव चलाने वाला-3
22.झुका हुआ-2
23.मर्तबान,रस का राजा-2

शब्द पहेली -8067 का हल

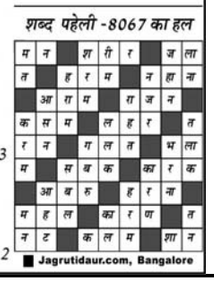

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

विंबलडन को मिली नई महिला चैम्पियन, बारबोरा क्रेजिकोवा ने जीता खिताब

लंदन,(ईएमएस)। चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजिकोवा के रूप में विंबलडन को एक नई महिला चैम्पियन मिल गई। बारबोरा ने फाइनल में इटली की जैस्मीन पाओलिनी को 6-2, 2-6, 6-4 से हराकर अपना पहला विंबलडन खिताब जीता। बारबोरा क्रेजिकोवा विश्व की 32वीं रैंकिंग की खिलाड़ी हैं और उनका सामना स

आखिरी टी20 में जिम्बाब्वे को 42 रन से रौंदा

नई दिल्ली। भारत और जिम्बाब्वे के बीच 5 टी20 मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला रविवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेला गया। भारतीय टीम ने इस मुकाबले को 42 रन से अपने नाम कर सीरीज पर 4-1 से कब्जा जमाया। जिम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रजा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 167रनबनाए। जवाब में जिम्बाब्वे टीम 125 रन पर सिमट गई। शिवम दुबे को प्लेयर ऑफ द मैच और वॉशिंगटन सुंदर को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। पहले ही ओवर में यशस्वी जायसवाल कैच आउट हुए। उन्होंने 5 गेंदों पर12 रन बनाए। चौथे ओवर में अभिषेक शर्मा अपना विकेट गंवा बैठे। उन्होंने11गेंदों पर14रन की पारी खेला । कप्तान शुभमन गिल बड़ा स्कोर बनाने में नाकाम रहे और उन्होंने 14 गेंदों पर 13रन बनाए। इसके बाद संजू सैमसन ने रियान पराग के साथ मिल कर चौथे विकेट के लिए 65 रन जोड़े।

रियान पराग ने 24 गेंदों पर 22 और संजू सैमसन ने 45 गेंदों पर 58 रन ठोके। तूफानी पारी खेल रहे शिवम दुबे रन आउट हुए। उन्होंने 12 गेंदों पर 26 रन जड़े। रिंकू सिंह 11 और वॉशिंगटन सुंदर 1 रन बनाकर नाबाद रहे। जिम्बाब्वे की ओर से ब्लेसिंग मुजरबानी को 2 सफलताएं मिलीं। उनके अलावा कप्तान सिकंदर रजा, रिचर्ड नगारवा और ब्रैंडन मावुता ने 1-1 शिकार किया। 168 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे टीम की शुरुआत खराब रही और टीम नियमित अंतराल में विकेट खोती चली गई। वेस्ली मधेवेरे का खाता नहीं खुला। उनके अलावा ब्रायन बेनेट ने 10 रन, तादिवानाशे मारुमनी ने 27 रन, डायोन मायर्स ने 34 रन, कप्तान सिकंदर रजा ने 8, जॉनाथन कैंपबेल ने 4, क्लाइव मदांडे ने 1, ब्रैंडन मावुता ने 4 और फराज अकरम ने 27 रन बनाए।

रिचर्ड नगारवा गोल्डन डक का शिकार हुए। ब्लेसिंग मुजरबानी 1 रन बनाकर नाबाद रहे। भारत की ओर से मुकेश कुमार ने सबसे ज्यादा 4 विकेट अपने नाम किए। उनके अलावा शिवम दुबे को 2 और तुषार देशपांडे, वॉशिंगटन सुंदर, अभिषेक शर्मा के खाते में 1-1 विकेट आया।

पहले ओवर की पहली गेंद पर यशस्वी जायसवाल ने डीप स्क्वायर लेग पर छक्का लगाया। यह हाई फुलटॉस गेंद थी, ऐसे में अंपायर ने इसे नो बॉल करार दिया। फ्री हिट पर भी जायसवाल ने एक और सिक्स ठोक दिया। इस तरह मुकाबल की पहली गेंद पर कुल 13 रन बने। इसके साथ ही भारतीय टीम टी20 इंटरनेशनल में पारी की पहली गेंद पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाली टीम बन गई। उन्होंने इस मामले में पाकिस्तान का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। पाकिस्तान ने 2022 में श्रीलंका के खिलाफ टी20 में पहली गेंद पर 10 रन बनाए थे। इसके बाद 2023 में न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल की पारी की पहली गेंद पर 9 रन बटोरे थे। 2019 में नेपाल में भूटान के विरुद्ध टी20 मैच में पारी की पहली गेंद पर 9 रन बनाए थे। इसी साथ केन्या ने युगांडा से हुए टी20 मैच में पारी की पहली गेंद पर 8 रन बनाए थे। यशस्वी जायसवाल की बात करें तो वह बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। पिछले मैच में शतक से चूकने वाले यशस्वी ने 240.00 की स्ट्राइक रेट से 5 गेंदों पर 12 रन बनाए।

क्या चैंपियंस ट्रॉफी खेलने पाकिस्तान जाएगी भारतीय टीम? संशय बरकरार

नई दिल्ली,(ईएमएस)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए पाकिस्तान के पास चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी के पूरे राइट्स हैं लेकिन भारत की इसमें भागीदारी पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं। क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से टूर्नामेंट को पाकिस्तान से बाहर कराने या भारत के मैचों को किसी अन्य स्थान पर कराने का अनुरोध किया था, लेकिन आईसीसी ने इस दिशा में कोई काम नहीं किया। इसी बीच जानकारी मिली है टीम इंडिया पाकिस्तान जा सकती है।

बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने इस विषय पर उठ रही तमाम अफवाहों पर विराम लगाने की कोशिश की है। शुक्ला ने एक साक्षात्कार में कहा कि हमें नहीं पता कि किस स्रोत ने ऐसी जानकारी दी जा रही है। बीसीसीआई ने इस संबंध में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है।

बता दें कि 2008 के एशिया कप के बाद टीम इंडिया ने पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। दोनों देशों के बीच राजनीतिक तनाव जारी है। इनके बीच आखिरी द्विपक्षीय सीरीज जनवरी 2013 में हुई थी। तब से आईसीसी टूर्नामेंट और एशिया कप ही ऐसे आयोजन हैं जहां प्रशंसकों को कट्टर प्रतिद्वंद्वियों के बीच मैच देखने को मिलता है। अगर भारत चैंपियंस ट्रॉफी से हटता है, तो श्रीलंका उनकी जगह लेगा, जो 2023 वनडे विश्व कप स्टैंडिंग में 9वें स्थान पर था। पिछले साल पाकिस्तान के पास एशिया कप 2023 की मेजबानी का अधिकार था लेकिन भारत सरकार ने टीम को यात्रा करने की मंजूरी नहीं दी और उनके मैच श्रीलंका में कराए गए थे।

भारत को ग्रुप-ए में पाकिस्तान, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। ग्रुप-बी में ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और अफगानिस्तान हैं। हाल ही में आईसीसी के इवेंट प्रमुख क्रिस टेटली ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी से इस्लामाबाद में मुलाकात की थी, जब सुरक्षा टीम ने आयोजन स्थलों और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया था।

कंपनियों के नतीजे और वैश्विक रुख से तय होगी बाजार की चाल: विश्लेषक

- जून के थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े से भी बाजार की धारणा पर असर पड़ेगा

नई दिल्ली (ईएमएस)। इस सप्ताह इन्फोसिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी कई बड़ी कंपनियों के नतीजों के अलावा वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों के वै?श्विक रुख से शेयर बाजार की चाल तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि जून के थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े सोमवार को जारी ?किए जाएंगे। इन आंकड़ों से भी बाजार की धारणा पर असर पड़ेगा। मुहर्रम के अवसर पर बुधवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे। बाजार के जानकारों ने कहा कि सप्ताह के दौरान एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, बजाज ऑटो, बीपीसीएल, जेएसडब्ल्यू स्टील, एशियन पेंट्स, इन्फोसिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी बड़ी कंपनियां अपने जून तिमाही के नतीजों की घोषणा करेंगी। इस सप्ताह सभी की निगाह कंपनियों के पहले तिमाही के नतीजों पर रहेगी। सप्ताह के दौरान इन्फोसिस और रिलायंस सहित कई कंपनियां अपने नतीजे घोषित करेंगी। इसके अलावा बजट-पूर्व चर्चाओं से बाजार में उतार-चढ़ाव रह सकता है। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर चीन पर सभी का ध्यान रहेगा।

चीन सप्ताह के दौरान अपने सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) तथा औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों की घोषणा करेगा। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के चेयरमैन के संबोधन, अमेरिका के खुदरा बिक्री के आंकड़े और जापान के वृहद आर्थिक आंकड़े बाजार को दिशा देंगे। इस बीच, आईटी सेवा कंपनी एचसीएल टेक का जून तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 20.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4,257 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी के तिमाही नतीजों की घोषणा शुक्रवार को हुई। बाजार ?विशेषज्ञों ने कहा ?कि सोमवार को बाजार भारत के मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर प्रतिक्रिया देगा। इस सप्ताह जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, एचडीएफसी लाइफ, एशियन पेंट्स, एलटीआईमाइंडट्री, इन्फोसिस, विप्रो, जेएसडब्ल्यू स्टील, पेटीएम के तिमाही नतीजे आने हैं।

साथ ही वैश्विक स्तर पर निवेशक चीन के जीडीपी आंकड़ों, अमेरिका के खुदरा बिक्री के आंकड़ों और यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) के ब्याज दर पर निर्णय से दिशा लेंगे। उन्होंने कहा ?कि चालू तिमाही नतीजों के सत्र की वजह से सप्ताह के दौरान शेयर विशिष्ट गतिविधियां देखने को मिलेंगी। तिमाही नतीजों के सत्र की अच्छी शुरुआत की वजह से आईटी शेयर आकर्षण का केंद्र रहेंगे। इस सप्ताह चीन के जीडीपी, यूरो क्षेत्र के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े, ईसीबी के नीतिगत निर्णय तथा अमेरिकी केंद्रीय बैंक के प्रमुख के संबोधन पर सभी की निगाह रहेगी।

एफपीआई ने इस महीने अब तक शेयर बाजारों में 15,352 करोड़ डाले

- एफपीआई ने मई में शेयरों से 25,586 करोड़ रुपये निकाले थे

नई दिल्ली (ईएमएस)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 12 जुलाई तक घरेलू शेयर बाजारों में 15,352 करोड़ रुपये का निवेश किया है। सरकार की सुधारों को जारी रखने की प्रतिबद्धता और मजबूत घरेलू मांग की वजह से एफपीआई का भारतीय बाजार में प्रवाह बढ़ा है।

बाजार के जानकारों ने कहा ?कि विदेशी निवेशकों के लिए आगामी आम बजट आर्थिक वृद्धि के लिए सरकार की योजनाओं को समझने का सबसे प्रमुख घटनाक्रम है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने 12 जुलाई तक शेयरों में 15,352 करोड़ रुपये डाले हैं।

इससे पहले जून में उन्होंने शेयरों में 26,565 करोड़ रुपये का निवेश किया था। वहीं आम चुनाव को लेकर असमंजस के बीच एफपीआई ने मई में शेयरों से 25,586 करोड़ रुपये निकाले थे। मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि की चिंता के बीच अप्रैल में एफपीआई ने 8,700 करोड़ रुपये से अधिक की बिकवाली की थी। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने शेयरों के अलावा ऋण या बॉन्ड बाजार में 8,484 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे इस साल अब तक बॉन्ड बाजार में उनका निवेश 77,109 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) 2024 में जहां हर महीने शेयर बाजार में लिवाल रहे हैं, वहीं एफपीआई के प्रवाह में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। एफपीआई ने जनवरी, अप्रैल और मई में कुल मिलाकर 60,000 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। वहीं फरवरी, मार्च और जून में उन्होंने 63,200 करोड़ रुपये की खरीदारी की है।

टमाटर और प्याज की कीमतें जल्द कम होने की उम्मीद

नई दिल्ली (ईएमएस)। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि दक्षिणी राज्यों से आपूर्ति बढ़ने से आने वाले हफ्तों में स?ब्जियों की कीमतों में नरमी आ सकती है। अधिकारी ने कहा कि आपूर्ति में बाधा के कारण बढ़ीं टमाटर और प्याज की कीमतों के जल्द स्थिर होने की उम्मीद है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अधिकारी ने कहा ?कि दिल्ली और कुछ अन्य शहरों में टमाटर, आलू और प्याज की कीमतें बहुत ज़्यादा हैं। भीषण गर्मी और उसके बाद भारी बारिश के कारण आपूर्ति बाधित हुई, जिससे खुदरा कीमतों में उछाल आया। नई दिल्ली में टमाटर की कीमत 75 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है, लेकिन अगर भारी बारिश से आपूर्ति श्रृंखला बाधित नहीं होती है तो इसमें कमी आ सकती है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 12 जुलाई को दिल्ली में टमाटर का खुदरा मूल्य 75 रुपये प्रति किलोग्राम था, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में मूल्य 150 रुपये प्रति किलोग्राम था। टमाटर का अखिल भारतीय औसत खुदरा मूल्य 12 जुलाई को 65.21 रुपये प्रति किलोग्राम रहा, जबकि पिछले साल यह 53.36 रुपये प्रति किलोग्राम था। फिलहाल दिल्ली को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड से टमाटर की आपूर्ति हो रही है। अधिकारी ने कहा ?कि आंध्र प्रदेश और कर्नाटक से हाइब्रिड टमाटर राष्ट्रीय राजधानी में पहुंचने के साथ ही कीमतों में नरमी आने लगेगी। सरकार सब्सिडी वाले टमाटर की बिक्री को फिर से शुरू करने की योजना नहीं बना रही है।

आईएमएफ ने पाकिस्तान को 2 लाख करोड़ का लोन मंजूर किया- आमलोगों और किसानों को चुकानी होगी बड़ी कीमत

इस्लामाबाद (ईएमएस)। कंगाली का सामना कर रहे पाकिस्तान के लिए राहत भरी खबर है। पाकिस्तान महीनों से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास बेलआउट पैकेज के लिए लगातार हाथ फैला रहा था। कुछ सप्ताह पहले आईएमएफ की हाई-लेवल कमेटी ने पाकिस्तान का दौरा कर सरकार की ओर से उठाए गए कदमों की समीक्षा की थी। अब जाकर आईएमएफ ने पाकिस्तान के लिए 7 अरब अमेरिकी डॉलर (194570 पाकिस्तानी रुपया) के लोन पैकेज को अपनी मंजूरी दे दी। हालांकि, इसके लिए पाकिस्तान को बड़ी कीमत चुकानी होगी। आर्थिक और वित्तीय सुधारों के साथ ही टैक्स बेस को भी बढ़ाना होगा। सब्सिडी में भी रिफॉर्म करना होगा। आमलोगों के साथ ही खासकर किसानों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। दुनियाभर में आतंकवादियों के लिए पनाहगाह के तौर पर कुख्यात पाकिस्तान की आर्थिक हालत सालों से बेहद खराब है। एक रिपोर्ट के अनुसार पीएम शाहबाज शरीफ ने आईएमएफ से लोन सेक्योर करने के लिए वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब की तारीफ की है। साथ ही कहा कि हमें इसके लिए कुछ बलिदान करने होंगे। पीएम शाहबाज ने कहा, अब हमें अपनी बेल्ट टाइट करते हुए जनता के लिए काम करना होगा। हमें पहली और आखिरी बार राष्ट्र हित में काम करने की जरूरत है। यदि जरूरत पड़ी तो मैं पद भी छोड़ दूंगा, लेकिन किसी दबाव में नहीं आऊंगा। मैं इसे पूरी तरह से स्पष्ट कर देना चाहता हूं। आईएमएफ ने पाकिस्तान को तीन साल के लिए 7 अरब डॉलर की सहायता राशि लोन के तौर पर देने के लिए सहमत हुआ है। डील डन होने के बाद आईएमएफ के पाकिस्तान प्रमुख नाथन पोर्टर की ओर से भी बयान जारी किया गया है। आईएमएफ ने कहा कि नए प्रोग्राम का लक्ष्य पिछले एक साल में कठिन प्रयासों के जरिये हासिल आर्थिक स्टैबलिटी को आगे बढ़ाना है। नाथन पोर्टर ने साथ ही कहा कि पब्लिक फाइनेंस, महंगाई पर नियंत्रण और आर्थिक अनियमितताओं को और दुरुस्त करने की जरूरत है।

निलंबित आईएएस टुटेजा को ले गई यूपी एटीएस

रायपुर(ईएमएस)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला केस में निलंबित आईएएस अनिल टुटेजा को यूपी पुलिस रविवार को ट्रांजिट रिमांड पर मेरठ लेकर निकली है। टुटेजा को यूपी एसटीएफ ने नकली होलोग्राम केस में गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ मेरठ कोर्ट ने वारंट जारी किया था।

यूपी एटीएस सोमवार को टुटेजा को मेरठ कोर्ट में पेश करेगी। वहीं अनवर ढेबर और एपी त्रिपाठी को भी पेश किया जाएगा। इससे पहले यूपी एटीएस ने दोनों आरोपियों को 3 दिन की रिमांड पूरी होने के बाद 1 जुलाई को मेरठ कोर्ट में पेश किया था। सुनवाई के बाद कोर्ट ने दोनों को 15 जुलाई तक जेल भेजा था। जानकारी के मुताबिक, कोर्ट में सुनवाई के बाद टुटेजा को न्यायिक रिमांड पर भेजा जा सकता है। वहीं एपी और अनवर की भी ज्यूडिशियल रिमांड बढ़ सकती है।

अखिलेश.....कांग्रेस भस्मासुर, आपके मुस्लिम वोट बैंक पर उनकी नजर

उत्तर प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा

लखनऊ (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव के दौरान उत्तर प्रदेश में बीजेपी के खराब प्रदर्शन के बाद रविवार को लखनऊ में भाजपा की एक बड़ी और अहम बैठक हो रही है। बीजेपी कार्यसमिति की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी पहुंच रहे हैं। उनके अलावा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केपी मौर्य, राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े, स्मृति ईरानी, एसपी सिंह बघेल, राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह और अन्य पार्टी नेता भी बैठक में मौजूद हैं।

बैठक की शुरुआत में प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी द्वारा राजनीतिक प्रस्ताव पेश किया गया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का सम्मान हमारी प्राथमिकता है जिसके साथ कोई भी समझौता नहीं होगा। भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि लखन पासी जी को याद किए बिना बैठक अधूरी रहेगी। उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा अयोध्या, काशी मथुरा में बसती है।

उन्होंने कहा, पहले कांवड़ यात्रा को रोका जाता था। अयोध्या में 500 साल बाद भव्य राम मंदिर बना। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश आग बढ़ रहा हैं और पीएम मोदी ने धारा 370 हटाने का काम किया। कांग्रेस को निशाने पर लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी ने कहा, कांग्रेस समर्थन से जीत हासिल करती है। कांग्रेस ने कभी किसी का भला नहीं किया कांग्रेस का कोई विचार नहीं है। बाबा साहब ने कभी कांग्रेस को कुछ नहीं समझा। कांग्रेस लोहिया को आदर्श मानने वाली परिवार की पार्टी है। भाजपा नेता चौधरी ने पूर्व सीएम और सपा प्रमुख अखिलेश का नाम लेकर कहा, अखिलेश आपको सावधान कर रहा हूं आप सावधान रहें। कांग्रेस पार्टी की नजर आपके वोट बैंक पर है, कांग्रेस भस्मासुर है और आपके मुस्लिम वोट बैंक पर उनकी नजर है।

बता दें कि इस बैठक दौरान चुनाव में पार्टी के खराब प्रदर्शन को लेकर भी चर्चा होगी और बैठक के हंगामेदार रहने के भी आसार जताए जा रहे हैं। यूपी कार्यसमिति की बैठक में भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश संगठन महामंत्री के अलावा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश से केंद्र के सभी मंत्री और यूपी के सभी 33 सांसद और सभी भाजपा विधायक शामिल हो रहे है।

कन्नूर में मनरेगा मजदूरों को खुदाई में मिल गया खजाना

कन्नूर (ईएमएस)। केरल के कन्नूर जिले में रबड़ के बागान में बारिश के पानी को जमा करने के लिए गड्ढे खोद रहे मनरेगा मजदूरों के हाथ 'बड़ा खजाना' लगा। जमीन को कुछ फीट खोदने पर मजदूरों को लगा कि जमीन के नीचे कुछ गड़ा हुआ है। मिट्टी हटाने पर भी कुछ दिखा नहीं कि क्या है। इससे मजदूर को लगा कि यह बम है। लेकिन,कुछ देर बाद हिम्मत करके बाहर निकालकर देखा तब वो मिट्टी का मटका था। मटके को तोड़ने पर उसमें से सोने-चांदी के आभूषण और चांदी के सिक्के निकले। दूसरे दिन जब फिर से उस स्थान की खुदाई की गई, फिर सोने-चांदी के सिक्के मिले।

पुरातत्व विभाग इसकी जांच करने की योजना बना रहा है कि इस क्षेत्र में और भी खजाना है या नहीं। वे खोजी गई वस्तुओं की प्रामाणिकता की भी पुष्टि करने में लगे हैं। अधिकारी ने कहा, जिस स्थान से प्राचीन वस्तुएं बरामद हुई हैं, उसका कोई ऐतिहासिक महत्व नहीं है। इसलिए ये वस्तुएं किसी निजी संग्रह का हिस्सा हो सकती हैं। हालांकि, हम जांच के बाद ही सही निष्कर्ष निकल सकते है। रबड़ के बागान में वर्षा जल सरंक्षण के लिए मनरेगा मजदूरों को एक समूह खुदाई कर रहा था। तभी जमीन के नीचे एक मिट्टी का बर्तन उन्हें मिला। पहले श्रमिकों ने बर्तन को बम समझ लिया. लेकिन, बाद में जब हिम्मत कर इसकी जांच की तब पता चला कि यह मिट्टी का बर्तन है।

जब फोड़ा तब इसमें से 17 मोती की माला, 13 सोने के पदक, चार पारंपरिक आभूषण 'कशुमाला' पदक, एक जोड़ी बालियां और चांदी के सिक्के मिले। एक श्रमिक ने बताया कि सोने और चांदी की वस्तुओं को देखकर, हम हैरान और भ्रमित हो गए कि क्या करें। फिर हमने पंचायत अध्यक्ष को सूचित किया।

दुनिया भर के दक्षिणपंथी नेता अब कट्टरपंथी वामपंथ के सक्रिय निशाने पर - हिमंत बिस्वा सरमा

नई दिल्ली (ईएमएस)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमले को लेकर कहा है कि दुनिया भर के दक्षिणपंथी नेता अब कट्टरपंथी वामपंथ के सक्रिय निशाने पर हैं। उन्होंने कहा कि ये हमले राष्ट्र प्रथम की विचारधारा को पराजित नहीं कर पाएंगे। यह गहरी आध्यात्मिकता में निहित है और सनातन दर्शन से प्रेरित है। जननी जन्मभूमि च स्वर्गादपि गरीयसी। डोनाल्ड ट्रंप को मेरी शुभकामनाएं क्योंकि वह मजबूती से खड़े हैं।

ज्ञात रहे कि रिपब्लिकन नेता और पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कल पेंसिल्वेनिया के बटलर में हत्या के प्रयास में घायल हो गए। 20 वर्षीय शूटर द्वारा पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति को निशाना बनाकर कई राउंड फायरिंग करने से दर्शकों में से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। हमलावर थॉमस मैथ्यू क्रुक्स को मार गिराया गया है। ट्रंप ने कहा है कि एक गोली उनके दाहिने कान के ऊपरी हिस्से में लगी।

ट्रंप हमले पर सियासत शुरु, चुनावी फायदे के लिए खुद पर चलवाई गोला

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर उस समय जानलेवा हमला हुआ जबकि वो एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। एक युवा हमलावर ने 400 फीट दूर से 8 राउंड गोलियां चलकार ट्रंप को घायल कर दिया। गोलीबारी की घटना में ट्रम्प का दाहिना कान जख्मी हो गया, जिससे ज्यादा खून बह गया। सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स ने जवाबी कार्रवाई करते हुए आरोपी को मौके पर ही ढेर कर दिया। अब इस मामले को लेकर सियासत शुरु हो गई है। एक तरफ हमले को लेकर राष्ट्रपति वाइडन को घेरा जा रहा है तो वहीं दूसरी तरफ सोशल मीडिया पर कहा जा रहा है कि चुनावी फायदे के लिए ट्रंप ने खुद पर गोली चलवाई है। अमेरिका में इस चुनावी माहौल के बीच में हुए इस हमले को लेकर तरह-तरह के सवाल किए जा रहे हैं। एक तरफ ट्रम्प की पार्टी बाइडेन और डेमोक्रेट्स पर हमला करवाने के आरोप लगा रही है तो वहीं सोशल मीडिया पर लोगों ने ट्रंप और उनकी पार्टी को ही घेरना शुरु कर दिया है। इनका कहना है कि यह आत्मघाती हमला खुद ट्रम्प ने करवाया है, ताकि चुनाव में ज्यादा फायदा मिल सके।

जानलेवा हमले में घायल हुए डोनाल्ड ट्रंप अगले सप्ताह निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में हिस्सा लेंगे। दरअसल ट्रंप के चुनावी अभियान और रिपब्लिकन नेशनल कमेटी का कहना है कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मिल्वौकी में आप सभी के साथ जुड़ने के लिए उत्साहित हैं और सम्मेलन की प्रक्रिया में हिस्सा लेने आगे बढ़ रहे हैं। गौरतलब है कि रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन मिल्वौकी, विस्कॉन्सिन में 15 से 18 जुलाई को होने जा रहा है।

इमरान खान और बुशरा फिर गिरफ्तार

इस्लामाबाद(ईएमएस)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को शनिवार देर रात जेल से ही गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें तोशाखाना से जुड़े नए मामले में गिरफ्तार करने नेशनल अकाउंटेबिलिटी की टीम अडियाला जेल पहुंची थी। शनिवार का शाम ही फर्जी निकाह केस में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को इस्लामाबाद कोर्ट ने बरी किया था। कोर्ट ने कहा था कि इन्हें फौरन रिहा किया जाए। पाकिस्तानी मीडिया हाउस जियो न्यूज के मुताबिक कोर्ट के आदेश के तुरंत बाद एनएबी की 2 टीम पूर्व प्रधानमंत्री और बुशरा को गिरफ्तार करने अदियाला जेल पहुंच गई थी।

इटली में 33 भारतीय बंधक मुक्त ,खेतों में जबरन कराया काम

अमृतसर (ईएमएस)। इटली के उत्तरी वेरोना प्रांत में स्थानीय अधिकारियों ने 33 भारतीयों को बंधुआ मजदूरी से मुक्त कराया है। मुक्त कराए गए 33 भारतीयों में से अधिकतर पंजाबी मूल के हैं। इतना ही नहीं, जिन दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, वे भी पंजाबी मूल के हैं। अधिकारियों ने दोनों कथित आरोपियों से 5.45 लाख यूरो भी जब्त किए हैं। घटना की जांच जून महीने में शुरू हुई थी। इटली में बंधुआ मजदूरी जून में हुए एक हादसे के बाद चर्चा में आई थी।

जिसमें फल तोडऩे वाले पंजाबी सतनाम सिंह की मशीन से हाथ कट जाने से मौत हो गई थी। रोम के पास लाजियो में स्ट्रॉबेरी रैपिंग मशीन की चपेट में आने से सतनाम का हाथ कट गया था। जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

नागरिकों को वर्क परमिट पर लाते थे इटली

पुलिस ने कहा कि कथित गैंग-मास्टर्स जो भारत से ही थे, सीजनल वर्क परमिट पर साथी नागरिकों को इटली लाते थे। हर बंधुआ मजदूर को प्रति महीने 17,000 यूरो का भुगतान करने और उन्हें बेहतर भविष्य का वादा करके लाया जाता था। लेकिन यहां पहुंचते ही परिस्थितयां बदल जाती थी। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार भारतीयों को खेत में काम दिया जाता था। सप्ताह में सातों दिन और प्रति दिन 10-12 घंटे काम करवाया जाता था। उन्हें प्रति घंटे 4 यूरो का भुगतान होता था। उनसे तब तक बंधुआ मजदूरी करवाई जाती थी, जब तक वे अपने कर्जे का भुगतान नहीं कर देते थे।

एर्दोगन हुए आवरा कुत्तों से परेशान.....ऐसा बिल लाए की पशु संगठन नाराज

अंकारा (ईएमएस)। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन की अगुवाई में देश में बढ़ती आवारा कुत्तों की आबादी के मद्देनजर संसद में एक बिल पेश किया, बिल में कहा गया है कि आवारा कुत्तों को सड़कों से हटाकर सुरक्षित स्थानों में रखा जाएगा जहां उनकी नसबंदी होगी। एके पार्टी के संसदीय समूह के अध्यक्ष अब्दुल्ला गुलेर की ओर से पेश प्रस्ताव में कहा गया है कि जिन कुत्तों से रेबीज का खतरा है, जो आक्रामक हैं और उनके पुनर्वास की कोई गुंजाइश नहीं है, उन सभी कुत्तों को इच्छामृत्यु दी जाएगी। गुलेर ने कहा, सड़कें कुत्तों के रहने की जगह नहीं हैं, लेकिन उन्हें अधिक योग्य आश्रयों में रहने का अधिकार है।

प्रस्ताव में नगरपालिकाओं से मौजूदा स्थानों की हालत में सुधार करने और लोगों को कुत्तों को गोद लेने के लिए प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया है। इस प्रस्ताव ने आलोचकों के बीच चिंताएं बढ़ा दी हैं, जिन्हें डर है कि इससे कुत्तों को भीड़भाड़ वाले स्थानों में रखा जाएगा और इससे कई जानवरों की मौत होगी। इस विधेयक ने पशु अधिकार कार्यकर्ताओं और जंगली कुत्तों से सड़कों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उपायों की वकालत करने वालों के बीच बहस छेड़ दी है। एर्दोगन के अनुसार, अनुमानत: चार मिलियन आवारा कुत्ते वर्तमान में तुर्की की सड़कों और ग्रामीण इलाकों में घूम रहे हैं। प्रारंभिक प्रस्ताव में कथित तौर पर आवारा जानवरों को इकट्ठा करने, आश्रयों में रखने और 30 दिनों के भीतर किसी के द्वारा नहीं अपनाने पर इच्छामृत्यु देने का आह्वान किया गया है। इस प्रस्ताव से लोगों में गुस्सा है। पशु अधिकार कार्यकर्ताओं ने तर्क दिया था कि इससे गोद न लिए गए कुत्तों की सामूहिक हत्या होगी। हाल ही में, ब्रिटेन ने तुर्की जाने वाले यात्रियों को आवारा कुत्तों के संबंध में चेतावनी जारी की, जिसमें बताया गया कि वे अक्सर झुंड बनाते हैं और आक्रामक हो सकते हैं।

सोमालिया में सुरक्षाबलों और कैदियों के बीच गोलीबारी...पांच की मौत

मोगादिशु (ईएमएस)। सोमालिया की राजधानी मोगादिशु में सुरक्षाबलों और भागने का प्रयास कर रहे कैदियों के बीच भारी गोलीबारी हुई। घटना में पांच कैदियों और तीन सैनिकों की मौत हो गई, जबकि 18 अन्य कैदी घायल हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कस्टोडियल कोर कमांड के प्रवक्ता अब्दिकानी मोहम्मद खलफ ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान तीन सैनिक भी घायल हुए हैं। सेंट्रल जेल से भागने का प्रयास कर रहे हथियारों से लैस कैदी अल-शबाब आतंकवादी समूह के सदस्य थे। जेल से भागने के प्रयास के दौरान जेल अधिकारियों और कैदियों के बीच गोलीबारी हुई।

जेल अधिकारियों ने कहा कि वे इस बात की जांच कर रहे हैं कि कैदियों ने भागने के लिए हथियार और हथगोले कैसे हासिल किए। रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने अल-शबाब सदस्यों के खिलाफ अभियान पूरा कर लिया है। फिलहाल स्थिति शांत है और सुरक्षा बलों ने सभी पांच कैदियों को मार गिराया है।

नाइजीरिया में गिरी स्कूल की बिल्डिंग, 22 छात्रों की मौत, कई घायल

रेस्क्यू टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर 132 लोगों को मलबे से निकाला

नाइजीरिया,(ईएमएस)। नाइजीरिया में अचानक एक स्कूल की बिल्डिंग गिरने से 22 छात्रों की मौत हो गई। बिल्डिंग के मलबे में कुल 154 लोग फंसे हुए थे। हालांकि मौके पर रेस्क्यू टीम ने ज्यादातर लोगों को बचा लिया है। राहत और बचाव कर्मियों ने अपनी सूझबूझ का परिचय देते हुए फंसे 154 लोगों में से 132 लोगों को रेस्क्यू ऑपरेश

एलसीबी ने विदेशी शराब से लदा ट्रक पकड़ा, शराब और ट्रक समेत 21.57 लाख का माल जब्त

वडोदरा (ईएमएस) वडोदरा एलसीबी ने वरणामा क्षेत्र से पूर्व सूचना के आधार पर विदेशी शराब से लदे ट्रक समेत रु. 21.57 लाख माल जब्त कर लिया है साथ ही ट्रक ड्राइव को गिरफ्तार भी गिरफ्तार कर कानूनी कार्यवाही शुरू की है जानकारी के मुताबिक वडोदरा ग्रामीण एलसीबी की टीम वरणामा क्षेत्र में गश्त पर थी उस दौरान हेड कांस्टेबल को जानकारी मिली कि एक ट्रक में भारत निर्मित विदेशी शराब की एक खेप सूरत से वडोदरा आ रही है यह ट्रक करजन से वडोदरा की ओर आने वाले ट्रैक पर है इस सूचना के आधार पर एलसीबी की टीम हरकत में आ गई और जैसे सूचना के मुताबिक ट्रक दिखा उसकी घेराबंदी कर सड़क किनारे रुकवा दिया ट्रक की जांच में विदेश शराब के 240 कार्टून बरामद हुए वडोदरा एलसीबी ने ट्रक से रु.11.52 लाख की विदेशी शराब के साथ ही मोबाइल और ट्रक समेत कुल रु. 21.57 लाख का माल जब्त कर लिया साथ ही ट्रक के ड्राइवर गींदरसिंह नछत्तरसिंह को भी गिरफ्तार कर लिया ट्रक ड्राइवर पंजाब के मोगा जिले का निवासी है पूछताछ में ट्रक ड्राइवर ने बताया कि वह अंबाला से लाला नाम के व्यक्ति द्वारा अंबाला-चंडीगढ़ रोड से विदेशी शराब लेकर आया था। शराब से भरे इस ट्रक के साथ वडोदरा पहुंचने पर फोन करने को कहा गया है इस मामले में गींदरसिंह नछत्तरसिंह और विदेशी शराब के सप्लायर के खिलाफ वरणामा पुलिस थाने में मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की

नंदेसरी में टैंकर की चपेट में आए बाइक सवार की घटनास्थल पर मौत

वडोदरा (ईएमएस) वडोदरा का नंदेसरी औद्योगिक क्षेत्र है, जहां भारी वाहनों की आवाजाही होती है और कई बार सड़कों के किनारे ही इन्हें पार्क कर दिया जाता है एक तो सकरी सड़क और ऊपर से भारी वाहनों के पार्क किए जाने से छोटे वाहन चालकों को निकलने में काफी मुश्किल होती है इसी सकरी सड़क से गुजर रहे एक बाइक सवार को टैंकर ने अपनी चपेट में ले लिया इस हादसे में बाइक सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जानकारी के मुताबिक आणंद जिले के नापाड गांव निवासी बाबुभाई महमदभाई राठौड़ वडोदरा के नंदेसरी में बतौर ड्राइवर काम करते थे शाम के वक्त नंदेसरी स्थित बड़ी कैमिकल कंपनी के भारी वाहनों के अंधाधुंध पार्किंग चलते मोटर साइकिल पर जा रहे बाबुभाई राठौड़ को एक टैंकर ने अपनी चपेट में ले लिया हादसे में गंभीर चोट लगने से बाइक सवार बाबुभाई राठौड़ की घटनास्थल पर ही मौत हो गई इस घटना को लेकर स्थानीय लोगों ने आक्रोश के साथ कहा कि नंदेसरी में सड़क किनारे भारी वाहनों की अंधाधुंध पार्किंग की वजह से हादसे की हमेशा आशंका रहती है ऐसे अंधाधुंध पार्किंग करने वाले भारी वाहनों के खिलाफ कार्यवाही की जानी चाहिए

कौशल्या यूनिवर्सिटी की किसानों को 1200 रुपए दर पर ड्रोन पायलट का प्रशिक्षण देने की योजना

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय द्वारा ड्रोन उत्पादन का टाइप सर्टिफिकेट प्राप्त करने वाली देश की पहली यूनिवर्सिटी

गांधीनगर (ईएमएस) 'कौशल के साथ शिक्षा' के उद्देश्य के साथ-साथ कौशल को केंद्र में रखते हुए 'स्किल स्मार्ट' अध्ययन के जरिए राज्य के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कौशल्या- द स्किल यूनिवर्सिटी की स्थापना की गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'स्किल इंडिया' के विजन को सार्थक करने के लिए गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में राज्य में नागरिकों को समय की मांग के अनुसार कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए निकट भविष्य में गुजरात में किसानों तथा किसान पुत्रों को मामूली दर पर ड्रोन पायलट का प्रशिक्षण प्रदान करने की योजना है। इसके अंतर्गत उन्हें 1200 रुपए की दर से ड्रोन पायलट का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

19 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में शुरू होगा पायलट प्रशिक्षण

वर्तमान में कौशल्या स्किल यूनिवर्सिटी द्वारा कलोल में रिमोट पायलट ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन (आरटीपीओ) कार्यरत किया गया है। आगामी समय में पायलट प्रशिक्षण की मांग को पूरा करने के लिए शीलज कैम्पस में नया आरटीपीओ शुरू करने की मंजूरी दी गई है। इसके अलावा, 19 और औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में प्रशिक्षण शुरू करने की प्रक्रिया जारी है। इन नए संस्थानों में किसानों और किसान पुत्रों को 1200 रुपए की मामूली दर पर ड्रोन पायलट का प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। आम तौर पर निजी क्षेत्र मां यह प्रशिक्षण 50 से 60 हजार रुपए में मिलता है। आज के दौर में कृषि क्षेत्र में ड्रोन के माध्यम से रासायनिक खाद और कीटनाशकों के छिड़काव की बड़ी मांग है। वर्तमान में जिस परम्परागत पद्धति के अनुसार पम्प के जरिए छिड़काव किया जाता है, उससे किसानों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वहीं, ड्रोन से छिड़काव के कारण कीटनाशक दवा और खाद की बचत होती है, साथ ही पूरे खेत में आवश्यक मात्रा में छिड़काव होने से खेत उत्पादन में भी बढ़ोतरी देखने को मिलती है।

ड्रोन उत्पादन का टाइप सर्टिफिकेट, ड्रोन मंत्रा लैब में 100 ड्रोन का निर्माण

अभी यूनिवर्सिटी द्वारा अलग-अलग 6 संकायों के माध्यम से सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर पीएचडी स्तर तक के पाठयक्रम चलाए जाते हैं। इनमें से 'स्कूल ऑफ ड्रोन' द्वारा ड्रोन क्षेत्र की संपूर्ण कुशलता को कवर करने वाले पाठयक्रम चलाए जाते हैं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय, नई दिल्ली ने कौशल्या यूनिवर्सिटी के अहमदाबाद में कार्यरत ड्रोन मंत्रा लैब को ड्रोन उत्पादन के लिए टाइप सर्टिफिकेट दिया गया है। यह देश की पहली यूनिवर्सिटी है जिसने ऐसा सर्टिफिकेट प्राप्त किया है। अहमदाबाद के रायपुर में स्थित ड्रोन मंत्रा लैब में 100 ड्रोन का उत्पादन भी किया गया है। यहां बनाए गए ड्रोन छोटी श्रेणी के ड्रोन हैं, जिसे 'कौशल्या ड्रोन' नाम दिया गया है। विद्यार्थियों को ड्रोन निर्माण के लिए आवश्यक प्रशिक्षण मिलने से वे इस क्षेत्र में सर्वांगीण अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। यूनिवर्सिटी द्वारा निर्मित ड्रोन का उपयोग राज्य के अन्य जिलों में ड्रोन पायलट प्रशिक्षण सुविधा के विस्तार के लिए किया जाएगा।

गुलाबों की महक से महकता करजन, किसानों की होती है लाखों की कमाई

वडोदरा जिले के करजन तहसिल में कश्मीरी और देशी गुलाब सहित फूलों की होती है खेती

वडोदरा जिले का करजन तालुका अब सिर्फ अपनी ऐतिहासिक विरासत के लिए नहीं, बल्कि सुगंधित गुलाबों की खेती के लिए भी जाना जाता है। यहां के करीब 85ज्ञ किसान गुलाब की खेती करते हैं और सालाना लाखों की कमाई करते हैं। करजन तालुका में मुख्य रूप से दो तरह के गुलाबों की खेती होती है - कश्मीरी गुलाब और देशी गुलाब। इनमें से कश्मीरी गुलाबों की पंखुड़ियां बड़ी और महीन होती हैं, जिसके कारण गुलकंद बनाने के लिए इनकी काफी डिमांड रहती है। वहीं, देशी गुलाब कश्मीरी गुलाबों की तुलना में ज्यादा टिकाऊ होते हैं।

कंचनभाई माछी, करजन तालुका के कोठिया गांव के रहने वाले हैं। वे पिछले छह सालों से कश्मीरी गुलाबों की खेती कर रहे हैं। उनकी तीन बीघा जमीन में गुलाबों की महक है। वे हर दिन 60 किलो तक गुलाब के फूल वडोदरा की मंडियों में बेचते हैं। त्योहारों के मौसम में गुलाबों की कीमतें 200 से 300 रुपये प्रति किलो तक पहुंच जाती हैं। कंचनभाई बताते हैं कि वे सालाना 4 से 5 लाख रुपये की कमाई गुलाबों की खेती से करते हैं।

वडोदरा जिले में कुल 660 हेक्टेयर में गुलाबों की खेती होती है, जिसमें से 270 हेक्टेयर करजन तालुका में है। इसके अलावा, जिले में 2000 हेक्टेयर से अधिक में गेंदा, मोगरा, लिली, चमेली, ग्लेडिया और रजनीगंधा जैसे अन्य फूलों की भी खेती होती है। फूलों की खेती किसानों के लिए आय का एक बड़ा जरिया बन गई है। सूरत और अहमदाबाद जैसी शहरों की मंडियों में बिकते हैं, बल्कि बड़े व्यापारी इन गुलाबों को मुंबई और दिल्ली जैसे महानगरों तक भी भेजते हैं। इस तरह करजन तालुका से गुलाबों की महक दूर-दूर तक फैल रही है।

सूरत जिला कलक्टर डॉ. सौरभ पारधी द्वारा दयालजी बाग में तरंग मेले का उद्घाटन

सूरत में 12 जुलाई से नाबार्ड, एसएफएसी और ओएनडीसी द्वारा एफपीओ मेला-सह-प्रदर्शनी ठतरंग सेलिब्रेटिंग कलेक्टिवाइजेशनठ का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वाणिज्य भवन, दयालजी आश्रम एसी हॉल, मजूरा गेट,

कार्यक्रम का उद्घाटन जिलाधिकारी डॉ. सौरभ पारधी द्वारा किया गया जिसमें निदेशक डीआरडीए, उप निदेशक कृषि, डीजीएम नाबार्ड, डीडीएम नाबार्ड एवं विभिन्न पदाधिकारी उपस्थित थे।

इस मेला-सह-प्रदर्शनी का उद्देश्य गुजरात भर के किसान उत्पादक संगठनों के जैविक खाद्यान्न, मसाले, सब्जियां और फल जैसे दैनिक आवश्यकताओं वाले उत्पादों को प्रदर्शित करना है, जो 15-18 हजार किसानों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

तरंग मेला केवल आम लोगों के लिए दैनिक खरीदारी का मंच प्रदान करता है। इतना ही नहीं बल्कि किसानों को मंडियों और थोक विक्रेताओं जैसे आपूर्ति श्रृंखला मध्यस्थों से जोड़ने में भी मदद मिलती है। इससे उन्हें अपना व्यवसाय बढ़ाने में मदद मिलती है।

गुजशत हाईकोर्ट ने नाबालिग बलात्कार पीडिता को दी गर्भपात की मंजूशी

अहमदाबाद, १४ जुलाई ।

गुजशत हाई कोर्ट ने शनिवाश को एक नाबालिग बलात्काश पीड़िता को २७ सप्ताह का गर्भ गिशने की अनुमति दे दी। अहमदाबाद की १६ वर्षीय अनाथ लड़की के पिता ने वकील पीवी पाटडिया के जशिए उच्च न्यायालय का दश्वाजा खटखटाया था, तथा चिकित्सीय गर्भपात अधिनियम के प्रावधानों के तहत अपने गर्भ को समाप्त कश्ने की अनुमति मांगी थी।

चिकित्सीय गर्भपात अधिनियम के तहत, २० सप्ताह से अधिक के गर्भ को समाप्त कश्ने के लिए अदालत की अनुमति की आवश्यकता होती है, यदि यह पाया जाता है कि गर्भावस्था मां या बच्चे के जीवन या स्वास्थ्य के लिए खतश पैदा कश्ती है। इसी बात को ध्यान में श्खते हुए जज निर्जश देसाई की अदालत ने गर्भपात की अनुमति दे दी।

मामले की गंभीश्ता को देखते हुए जज निर्जश देसाई ने सूश्त के स्मीमेश अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टशें के एक विशेषज्ञ पैनल को मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) अधिनियम के अनुसाश शाशीश्कि पशीक्षण कश्ने औश अदालत के समक्ष अपनी श्पिोर्ट पेश कश्ने का आदेश दिया।

अदालत ने पुलिस-निशीक्षक को नाबालिग को अस्पताल ले जाने औश व्यवस्था में मदद कश्ने का भी आदेश दिया। नाबालिग की मेडिकल जांच के बाद शुक्रवाश को उसकी मेडिकल श्पिोर्ट हाईकोर्ट के सामने श्खी गई। जिस पश विचाश कश्ते हुए अदालत ने स्मीमेश अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक को नाबालिग के गर्भपात का निर्देश दिया।

बिजली के नए मीटर और रजिस्टर रेंट एग्रीमेंट पर लोड वृद्धि को लेकर उद्योगपतियों ने दिया ज्ञापन

सूरत : सचिन जीआईडीसी के उद्योगपतियों ने बिजली के नए मीटर और रजिस्टर रेंट एग्रीमेंट पर लोड वृद्धि के मुद्दे को लेकर आज संसद और कैबिनेट मंत्री सीआर पाटिल को ज्ञापन सौंपा। विधायक संदीप देसाई के नेतृत्व में उद्योगपतियों ने सी. आर. पाटिल से इस मुद्दे पर शीघ्र समाधान का आग्रह किया।

सचिन औद्योगिक सहकारी सोसायटी लिमिटेड के सचिव मयूर गोलवाला ने जानकारी देते हुए कहा कि सांसद एवं कैबिनेट मंत्री सी.आर. पाटिल ने भी उद्योगों के हित में इस मुद्दे का जल्द से जल्द समाधान करने का आश्वासन दिया। इसके बाद, विधायक संदीप देसाई और उद्योगपतियों ने वराछा ऊर्जा सदन में डीजीवीसीएल के एमडी योगेशभाई चौधरी से मुलाकात की। इस दौरान उद्योगपतियों ने नए मीटर और रजिस्टर रेंट एग्रीमेंट पर लोड वृद्धि के कारण होने वाली परेशानियों से अवगत कराया।

सचिन जीआईडीसी के अध्यक्ष नीलेशभाई लिंबाचिया, मंत्री मयूरभाई गोलवाला, उपाध्यक्ष नीलेशभाई गामी, निदेशक भीखूभाई नकरानी, मनसुखभाई लखानी और शैलेशभाई गोलवाला भी इस बैठक में मौजूद थे। बैठक के दौरान डीजीवीसीएल के एमडी योगेशभाई चौधरी ने उद्योगपतियों को आश्वासन दिया कि इस समस्या का सौहार्दपूर्ण समाधान निकाला जाएगा और जल्द से जल्द उद्योगपतियों की समस्या का समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि डीजीवीसीएल उद्योगों के विकास के लिए हमेशा तत्पर रहता है और उद्योगों की हर संभव मदद करेगा।

गुजरात के पालिताना शहर में मांसाहारी भोजन पर पूर्ण प्रतिबंध

जैन भिक्षुओं के विरोध के बाद प्रशासन ने लिया फैसला

भावनगर। गुजरात में स्थित भावनगर जिले के पालिताना शहर में प्रशासन द्वारा ऐतिहासिक निर्णय लिया गया है। पालिताना शहर मांसाहारी भोजन पर प्रतिबंध लगाने वाला दुनिया का पहला शहर बन गया है। यह ऐतिहासिक फैसला यहां के अधिकारियों द्वारा लिया गया।

पालिताना जैन धर्म के लिए एक प्रसिद्ध तीर्थस्थल है अब यहां मांसाहारी भोजन पर प्रतिबंध लगाने के बाद मांस की बिक्री और खपत के साथ-साथ मांस के लिए जानवरों के वध करना अवैध और कानूनन दंडनीय अपराध है।

यह निर्णय 200 से अधिक जैन भिक्षुओं द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन के बाद लिया गया, जिन्होंने शहर में 250 से अधिक कसाई घरों को बंद करने की मांग की थी। वहीं, जुनागढ़ और अहमदाबाद में भी इसी तरह के नियम लागू किए गए हैं। मांसाहारी भोजन को लेकर विरोध करने वाले लोगों ने तर्क दिया कि मांस के प्रदर्शन से उनकी भावनाओं को ठेस पहुंचती है और लोगों, खासकर बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

पालिताना शहर में मांसाहारी भोजन पर प्रतिबंध को लेकर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल का भी समर्थन मिला है। इसको लेकर उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य व्यस्त क्षेत्रों में मांस की दुकानों के जमावड़े के कारण होने वाली यातायात की भीड़ को कम करना भी है। यह दोहरा तर्क-सांस्कृतिक संवेदनशीलता और व्यावहारिक शहरी प्रबंधन-प्रतिबंध के पीछे के बहुआयामी विचारों को उजागर करता है। गुजरात में स्थित भावनगर जिले का पालिताना शहर मांसाहारी भोजन पर प्रतिबंध लगाने वाला दुनिया का पहला शहर बन गया है। यह ऐतिहासिक फैसला यहां के अधिकारियों द्वारा लिया गया। यह निर्णय 200 से अधिक जैन भिक्षुओं द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन के बाद लिया गया जिन्होंने शहर में 250 से अधिक कसाई घरों को बंद करने की मांग की थी।

पालिताना जैनियों के लिए सबसे पवित्र तीर्थ स्थानों में से एक है और यह स्थान, जो शत्रुंजय पहाड़ियों में स्थित है, इसको जैन मंदिर शहर के रूप में भी जाना जाता है, पालिताना शहर में 800 जैन मंदिर हैं। शहर में सबसे प्रसिद्ध जैन मंदिर आदिनाथ मंदिर है, और यह भगवान आदिनाथ को समर्पित है, जो जैन धर्म के पहले तीर्थंकर थे। पालिताना न केवल पर्यटन के लिए बल्कि अपने धार्मिक महत्व के कारण भी ऐतिहासिक शहरों में से एक है। यह मंदिर, इस क्षेत्र के अन्य मंदिरों के समूह के साथ, जैनियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों में से एक रहा है, और यह 5वीं शताब्दी ईस्वी पूर्व का है।

गुजरात में अगले सात दिन भारी बारिश की संभावना, कई जिलों में यलो अलर्ट जारी

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में अगले सात दिनों के दौरान भारी बारिश का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है मौसम विभाग एक साथ बारिश के तीन सिस्टम सक्रिय हो गए हैं। जिसके चलते पूरे गुजरात में बारिश का अनुमान है मौसम विभाग ने कल सोमवार को राज्य के कई जिलों में बारिश की संभावना जताई है जिसमें राजकोट, मोरबी, द्वारका, पोरबंदर, जूनागढ़, गिर सोमनाथ, अमरेली, जूनागढ़ में बारिश का अनुमान है मौसम विभाग ने अहमदाबाद में बारिश की संभावना को देखते हुए बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है आणंद, वडोदरा, भरूच, पंचमहल, दाहोद, छोटा उदेपुर, बोटाद, भावनगर, अमरेली, गिर सोमनाथ में येलो अलर्ट घोषित किया गया है। बारिश की संभावना को देखते हुए मछुआरों को पांच दिनों तक समुद्र में न जाने की हिदायत दी गई है बता दें कि आज सुबह 8 बजे पूर्ण हुए 24 घंटों में 77 तालुकाओं में बारिश दर्ज की गई है। नवसारी जिले में सबसे अधिक बारिश हुई है नवसारी के वांसदा में साढ़े छह इंच बारिश हुई है नवसारी के गणदेवी में साढ़े छह इंच बारिश हुई है दूसरी और मौसम के जानकार अंबालाल पटेल के मुताबिक जुलाई के अंत और अगस्त की शुरुआत तक राज्य में बरसाती माहौल रहेगा अंबालाल के मुताबिक 15 से 16 जुलाई के बीच बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक मानसून सिस्टम सक्रिय होगा बारिश का सिस्टम सक्रिय होने से 17 से 24 जुलाई तक भारी बारिश होगी। दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होगी। मध्य गुजरात के अहमदाबाद, गांधीनगर, वडोदरा में बारिश होगी। 17 से 24 जुलाई तक राज्यभर में बारिश होगी।

पूर्व गृह मंत्री और विधायक को बदनाम करने के मामले में आरोपी गिरफ्तार

साबरकांठा (ईएमएस) गुजरात के पूर्व गृह मंत्री व लक्षद्वीप, दमन दीव के मौजूदा प्रशासक और हिम्मतनगर के विधायक के खिलाफ पोस्ट सोशल मीडिया में वायरल करने के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है दरअसल लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल पटेल और हिम्मतनगर के विधायक वीडी झाला को बदनाम करने की साजिश रचने की हिम्मतनगर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई गई थी इस मामले में पुलिस ने उमंग पंचाल नामक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है आशंका है कि उमंग पंचाल के साथ अन्य नेता इस साजिश में शामिल हैं इसीलिए प्रफुल पटेल और वीडी झाला की बदनामी हो ऐसी पोस्ट सोशल मीडिया में वायरल की गई थी मामले की शिकायत दर्ज होने के बाद आरोपी उमंग पंचाल फरार हो गया था पुलिस ने अलग अलग टीमें बनाकर उसकी तलाश शुरू की और आखिरकार उसे गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे डाल दिया है पुलिस ने आरोपी उमंग पंचाल का मोबाइल और टेब्लेट इत्यादि जब्त कर मामले की जांच शुरू की है जानकारी के मुताबिक आरोपी उमंग पंचाल पहले भाजपा के जिला कार्यालय में ही काम करता था और उस दौरान पार्टी को नुकसान पहुंचे इस प्रकार का व्यवहार करता होने का आरोप लगे थे इस कारण उमंग पंचाल को लोकसभा चुनाव के वक्त उसे भाजपा कार्यालय से हटा दिया गया था उस दौरान उमंग पंचाल ने लोकसभा में निर्दलीय उम्मीदवार उतरने का दावा किया था

निकाय चुनाव के बाद पैदा हुआ तीसरा बच्चा, गुजरात में छिन गई बीजेपी के दो पार्षदों की कुर्सी

अमरेली (गुजरात) : बच्चे दो ही अच्छे। गुजरात में निकाय चुनाव लड़ने वालों के लिए बच्चों का यह फार्मूला ही कारगर है। अगर चुनाव जीत जाने के बाद तीसरा बच्चा होता है, उसकी कुर्सी जा सकती है। गुजरात के अमरेली में भाजपा के दो पार्षदों को तीसरे बच्चे के कारण कुर्सी गंवानी पड़ी। अमरेली के जिला कलेक्टर अजय दहिया ने दामनगर नगरपालिका दो पार्षदों खिमा कसोटिया और मेघना बोघा को पार्षद के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया। दोनों पार्षदों का तीसरा बच्चा चुनाव के बाद पैदा हुआ था। डीएम कार्यालय के मुताबिक, गुजरात नगर पालिका अधिनियम, 1963 का उल्लंघन करने के कारण उन्हें सदस्यता खत्म की गई। दोनों पार्षदों की अयोग्यता के बाद भी नगरपालिका में बीजेपी का बहुमत बना रहेगा।

अमरेली के जिला कलक्टर ऑफिस से मिली जानकारी के अनुसार, 2021 के निकाय चुनाव में खिमा कसोटिया वार्ड नंबर 2 और मेघना बोघा वार्ड नंबर 3 दामनगर नगरपालिका के पार्षद चुने गए थे। दोनों पहली बार पार्षद का चुनाव जीतने में सफल रहे थे। चुनाव के वक्त अपने हलफनामे और रेकॉर्ड में उन्होंने दो- दो बच्चे होने की जानकारी दी थी। बच्चों का बर्थ सर्टिफिकेट नगरपालिका के रेकॉर्ड में रखा है। बाद में दोनों पार्षदों का एक-एक बच्चा और हुआ। खिमा तीसरी बार पिता और मेघना तीसरी बार मां बनी। इसके बाद हीरा पॉलिश करने वाले एक कारोबारी छगन भाक्सर ने 16 जनवरी को दोनों पार्षदों की शिकायत की। भाक्सर के आवेदन के बाद कलेक्टर ऑफिस ने इसकी जांच शुरू की। पहले दोनों पार्षदों ने शिकायत का विरोध किया। उन्होंने दलील दी कि चुनाव के बाद तीसरे बच्चे का कानून लागू नहीं होता है। कलेक्टर ने उनकी आपत्तियों को खारिज करते हुए उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया।

26 साल के खिमा कसोटिया ने कहा कि उन्हें दो बच्चों के नियम के बारे में पता था, लेकिन मुझे लगा कि अगर चुनाव के बाद तीसरा बच्चा पैदा होता है, तो वह अयोग्य नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि वह कलेक्टर के फैसले का अध्ययन करेंगे, फिर आगे की कार्रवाई करेंगे। वहीं मेघना बोघा के पति अरविंद ने कहा कि उन्हें तीसरे बच्चे के बारे में जानकारी नहीं थी। एक प्राइवेट बस कंपनी के लिए टिकट बुक करने वाले अरविंद ने कहा कि अगर नियम के मुताबिक उनकी पत्नी को अयोग्य घोषित किया गया है तो इसे स्वीकार करना होगा।

गुजरात के अमरेली जिले के दामनगर नगरपालिका के दो पार्षदों को तीसरे बच्चे के कारण कुर्सी गंवानी पड़ी। दिलचस्प यह है कि बीजेपी के दोनों पार्षद यह मानकर बैठे थे कि चुनाव जीतने के बाद वह तीसरा बच्चा पैदा कर सकते हैं। उनके खिलाफ स्थानीय कारोबारी ने शिकायत की थी। उन्होंने कहा कि अब फैसले का अफसोस नहीं है, क्योंकि भगवान ने उन्हें तीसरे बच्चे के तौर पर बेटा दिया है। अरविंद और मेघना चुनाव से पहले एक लड़की और एक लड़के के मां-बाप थे। अब उनके दो बेटे हैं। अरविंद ने बताया कि खिमा कसोटिया दो लड़कियों के पिता थे। अब भगवान ने बेटे का आशीर्वाद दिया है। हमारे लिए परिवार पहले है।

दो कारों के बीच भिड़ंत-युवक की मौत, दो घायल

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर के एसजी हाईवे पर एक और हादसा हुआ है देर रात हाईवे पर दो कारों की जोरदार टक्कर में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई है। जबकि अन्य दो घायलों को इलाज के लिए सोला सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने आगे की कार्यवाही शुरू की जानकारी के मुताबिक अहमदाबाद के एसजी हाईवे पर पैलेडियम मॉल के पास ब्रिज पर एक आई-10 और ब्रेज़ा कार के बीच टक्कर हो गई

गुजरात में अवैध कोयला खदान में दम घुटने से तीन लोगों की मौत

बिना सुरक्षा उपकरणों के कर रहे थे काम, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

सुरेंद्रनगर। गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले में एक अवैध कोयला खदान में दम घुटने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि चार लोगों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है और उनकी तलाश की जा रही है।

पुलिस के एक अधिकारी ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि मृतकों की पहचान लक्ष्मण डाभी (35), खोदाभाई मकवाना (32) और विराम केरलिया (35) के रूप में की गई है। सभी शनिवार को जिले के थानगढ़ तालुका के भेट गांव के पास एक खदान में खुदाई कर रहे थे, तभी दम घुटने से उनकी मौत हो गई।

गुजरात के सुरेंद्रनगर में अवैध कोयला खदान में काम करने के दौरान दम घुटने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मजदूर बिना किसी हेलमेट मास्क अथवा अन्य सुरक्षा उपकरणों के काम कर रहे थे। कुएं की खुदाई के दौरान निकलने वाली गैस से दम घुटने के कारण उनकी जान चली गई। पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ ईद्दं दर्ज की है।

उन्होंने कहा कि मृतकों के पास काम करने के दौरान कोई भी हेलमेट, मास्क या अन्य सुरक्षा उपकरण नहीं थे। एफआईआर के अनुसार आरोपियों ने मृतकों को कुआं खोदने के काम में लगाते समय हेलमेट या अन्य सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए थे। इसमें कहा गया है कि कुएं से निकलने वाली गैस के कारण उनकी मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि जशाभाई केरलिया, जनक अनियारिया, खिमजीभाई सारडिया और कल्पेश परमार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि मृतक मजदूरों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सूरत : शहर में शांतिदूत महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमणजी का भव्य प्रवेश

सूरत : सूरत वासियों के लिए एक स्वर्णिम सूर्योदय के रूप में उदित हुआ। प्रातः जब कड़ोदरा से गुरुदेव ने विहार किया तभी से ही हल्की रिमझिम वर्षा हो रही थी। ऐसे में भी अपने आराध्य की आगवानी करने सैंकड़ों श्रावक श्राविकाएं गणवेश में यात्रा में साथ चलते हुए जयघोषों से वातावरण को गुंजायमान कर रहे थे। अपनी कृपा वर्षा से सबको कृतार्थ करते हुए पुज्यवर गतिमान थे। लगभग 13 किलोमीटर का विहार कर आचार्यश्री लिंबायत के महर्षि आस्तिक सार्वजनिक हाई स्कूल में प्रवास हेतु पधारे।

धर्म सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रेरित करते हुए आचार्यश्री ने कहा – साधु को त्यागमूर्ति, अहिंसामूर्ति, दयामूर्ति, शांतिमूर्ति व समतामूर्ति कहा गया है। वे मन, वचन और काया से भी किसी को दुःख नहीं देते। हालाँकि हर साधु वीतराग तो नहीं होते पर जहाँ तक संभव होता है वे उस ओर उस दिशा में अपना प्रस्थान तो करते ही हैं। साधुत्व स्वीकार करने के पश्चात सांसारिक संबंध पूर्णतः मुक्त हो जाते है। उनके पास न कोई जमीन होती है, न पैसा। कोई व्यक्ति आजाओ वह राजा हो, प्रधान मंत्री या फिर राष्ट्रपति वें साधु के आगे नतमस्तक होते है। कहा गया की देवता भी उनको नमन करते हैं जिसका मन सदा धर्म में रमा रहता है।

गुरुदेव ने आगे कहा की है गृहस्थ तो साधु नहीं बन सकते पर अच्छे व साधनाशील श्रावक तो बन ही सकते हैं। भाव विशुद्धि हमारे जीवन की सबसे महत्वपूर्ण संपदा है। भाव शुद्धि से गृहस्थ भी अपने जीवन अच्छा बना सकते हैं। आचार्य श्री तुलसी ने अणुव्रत की बात बताई वही आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी ने अहिंसक चेतना का जागरण और नैतिकता का विकास के सूत्र के साथ अहिंसा यात्रा की। हम भी अपनी यात्रा में सद्भावना, नैतिकता व नशामुक्ति की बात बताते है। व्यक्ति के भीतर सबके प्रति मैत्री व दया की भावना बढ़ती रहे। ठइंसान पहले इंसान फिर हिंदू या मुसलमान। मानव मानव के बीच सद्भावना बढती रहे तो छोटे जीवों के प्रति भी दया के भाव उजागर हो जाते है।

सूरत में आना हुआ है। यहां की जनता में आध्यात्मिकता, धार्मिकता वर्धमान होती रहे। गुरुदेव की प्रेरणा से उपस्थित जनता ने त्रिआयामी सूत्रों को स्वीकार करते हुए नशामुक्ति का संकल्प स्वीकार किया। स्वागत के क्रम में स्थानीय एमएलए श्रीमती संगीता बेन पाटिल ने अपने विचार रखे।

सूरत प्रवास व्यवस्था समिति अध्यक्ष संजय सुराणा, लिंबायत सभा अध्यक्ष लालचंद चोरडिया, श्री अनिल चिंडालिया, जवेरीलाल दुगड़, रतनलाल भलावत, तेयुप से धीरज भलावत, महिला मंडल से श्रीमती मंजू बेन सिंघवी, अणुव्रत विश्व भारती से अर्जुन मेडतवाल, चित्रकूट वैष्णव सम्प्रदाय से धनपति शास्त्री, मुस्लिम समाज से जे.सी. राज सर, महर्षि आस्तिक हाई स्कूल के चेयरमैन गंभीरसिंह जी, लक्ष्मीलाल गोखरू आदि ने स्वागत में अभिव्यक्ति दी।

सामूहिक स्वागत गीतों, प्रस्तुति के क्रम में प्रवास व्यवस्था समिति, लिंबायत सभा, युवक परिषद, महिला मंडल ने प्रस्तुतियां दी। ज्ञानशाला के बच्चों ने कव्वाली मंचन किया। तप के द्वारा आराध्य को भेंट करते हुए श्रीमती संगीतादेवी बुरड़ ने मासखमण तप 30 का प्रत्याख्यान किया। श्री उकचंद बुरड़ ने 08 एवं श्री मोहित बुरड़ ने 13 की तपस्या का गुरुदेव से प्रत्याख्यान किया।

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वड़ोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96